RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक
सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, रविवार ●25 फरवरी , 2024 वर्षः-11 अंक- 298 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

एकनाथ शिंदे सरकार चालबाज, कर रही साजिश

● जमकर भड़के मराठा आरक्षण के अनशनकारी मनोज जरांगे

मुंबई (एजेंसी)। मराठों का आरक्षण देने की मांग पर लंबे समय तक अनशन करने वाले मराठा कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने शनिवार को आरोप लगाया कि महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे सरकार सरकारी नौकरियों और शिक्षा में समुदाय को आरक्षण के लिये उनके द्वारा चलाए जा रहे आंदोलन को कमजोर करने के लिए 'चालबाजी और साजिश' कर रही है।

जरांगे ने जालना जिले के अंतरवाली सरती गांव में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि वह रविवार को अपनी अगली कार्रवाई का खुलासा करेंगे साथ ही उन्होंने समुदाय के लोगों से वहां इकट्ठा होने को कहा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार आरक्षण के लिए उनके प्रयासों को विफल करने के वास्ते 'चालबाजी और साजिश' कर रही है। जरांगे ने कुनबी मराठों के 'रक्त संबंधियों' पर अधिसूचना को कानून में बदलने में देरी पर सवाल उठाया। जरांगे ने पुलिस पर राज्य के गृह मंत्री (देवेंद्र फडणवीस) के इशारे पर मराठा प्रदर्शनकारियों के खिलाफ मामले दर्ज करने का भी आरोप लगाया।

मुख्यमंत्री ने पर्यटन विभाग को दी बधाई और शुभकामनाएं

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड को बेस्ट स्टेट टूरिज्म बोर्ड के अवार्ड से सम्मानित होने पर प्रदेश के नागरिकों और पर्यटन विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह उपलब्धि पर्यटन के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों और पर्यटन गतिविधियों के प्रचार-प्रसार के राज्य

सरकार के सतत प्रयासों का प्रतिफल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश, विश्व धरोहर स्मारक सांची, भीमबेटका, खजुराहो जैसे अनेक प्रसिद्ध और ऐतिहासिक स्थलों तथा अपार प्राकृतिक सौंदर्य से समृद्ध है। पर्यटक मध्यप्रदेश आकर यहां के प्राकृतिक सौंदर्य और पर्यटन स्थलों को नजदीक से देखते हैं। जो पर्यटक अब तक मध्यप्रदेश नहीं आए वे मध्यप्रदेश में आकर पर्यटन का आनंद ले सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इसके लिए अपनी ओर से आमंत्रण देते हुए आग्रह किया है। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित स्टेट एग्जिबिशन में मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड को बेस्ट टूरिज्म बोर्ड अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

पैलेस ऑन व्हील्स ट्रेन में अब बजेगी शहनाई

● प्री और पोस्ट वेडिंग शूट के साथ 7 फेरे भी होंगे, बना नया प्लान

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में डेस्टिनेशन वेडिंग को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान पर्यटन विकास निगम (आरटीडीसी) की ओर से एक नया प्लान तैयार किया गया है। दुनिया की सबसे लग्जरी ट्रेन पैलेस ऑन व्हील्स के जरिए राजस्थान के हेरिटेज

को प्रचारित किया जाएगा ताकि देश विदेश के लोग अपने वैवाहिक कार्यक्रम के लिए राजस्थान की ओर आकर्षित हो सकें। डेस्टिनेशन वेडिंग में प्रदेश को सिरमौर बनाने के लिए पैलेस ऑन व्हील्स का इस्तेमाल किया जाएगा। दुनिया की इस सबसे खूबसूरत ट्रेन में अब प्री और पोस्ट मैरिज शूटिंग की जा सकेंगी। साथ ही इस शाही ट्रेन में शादी के 7 फेरे के लिए भी प्लानिंग की जा रही है। फिलहाल आरटीडीसी की ओर से शादी के बंधन में बंधने वाले जोड़ों के लिए प्री और पोस्ट वेडिंग शूट कराए जाने का प्लान तैयार किया है।

जुलाई से लागू होंगे 3 नए क्रिमिनल लॉ, तैयारी पूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में तीन नए आपराधिक कानून (भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम) 1 जुलाई से लागू होंगे। इन्हें भारत की

● राजद्रोह की जगह देशद्रोह का इस्तेमाल, 420 भी बदलेगा

आपराधिक न्याय प्रणाली को पूरी तरह से बदलने वाला बताया जा रहा है। तीनों कानूनों को पिछले साल 21 दिसंबर को संसद की मंजूरी मिली और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 25 दिसंबर को इन कानून को अपनी सहमति दी थी। केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से जारी तीन अधिसूचनाओं के अनुसार, नए कानूनों के प्रावधान एक जुलाई से लागू होंगे। ये कानून औपनिवेशिक युग के भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और 1872 के भारतीय साक्ष्य

अधिनियम की जगह लेंगे। तीनों कानूनों का उद्देश्य विभिन्न अपराधों को परिभाषित करके उनके लिए सजा तय करके देश में आपराधिक न्याय प्रणाली को पूरी तरह से बदलना है। संसद में तीनों विधेयकों पर हुई चर्चा करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सवालों के जवाब दिए थे। उन्होंने कहा कि इन विधेयकों का जोर पूर्ववर्ती कानूनों की तरह दंड देने पर नहीं, बल्कि न्याय मुहैया कराने पर है। उन्होंने कहा कि इन कानूनों का उद्देश्य विभिन्न अपराधों और उनकी सजा को परिभाषित करके देश में आपराधिक न्याय प्रणाली में आमूल-चूल बदलाव लाना है। इनमें आतंकवाद की स्पष्ट परिभाषा दी गई है, राजद्रोह को अपराध के रूप में खत्म कर दिया गया है और राज्य के खिलाफ अपराध शीर्षक से एक नया खंड जोड़ा गया है। ये विधेयक सबसे पहले अगस्त में संसद के मॉनसून सत्र में पेश किए गए थे। गृह मामलों पर स्थायी समिति की ओर से कई सिफारिशें किए जाने के बाद सरकार ने विधेयकों को वापस लेने का फैसला किया।

अखंडता को खतरे में डालने पर उम्रकैद

कानूनों के अनुसार, कोई भी व्यक्ति अगर शब्दों या संकेतों या दृश्य प्रतिनिधित्व या इलेक्ट्रॉनिक संचार या वित्तीय या अन्य माध्यम से जानबूझकर अलगाववाद या सशस्त्र विद्रोह या विध्वंसक गतिविधियां भड़काता या भड़काने की कोशिश करता है या अलगाववादी गतिविधियों की भावना या संप्रभुत्ता व एकता और भारत की अखंडता को खतरे में डालने के लिए उकसाता है। ऐसे कृत्य के लिए उम्रकैद की सजा हो सकती है या 7 साल तक की सजा हो सकती है। साथ ही उस पर जुर्माना भी लगाया जा सकता है। देशद्रोह से जुड़ी भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए के अनुसार, अपराध में शामिल व्यक्ति को उम्रकैद की सजा या 3 साल की जेल की सजा का प्रावधान है। नए कानूनों के अनुसार, राजद्रोह के स्थान पर देशद्रोह शब्द लाया गया है।

यूपी के कासगंज में तालाब में पलटी ट्रैक्टर-ट्रॉली, 54 डूबे

अब तक 24 की मौत, इनमें ज्यादातर महिलाएं-बच्चे, गंगा स्नान करने जा रहे थे

कासगंज (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कासगंज में शनिवार को बड़ा हादसा हो गया है। यहां एक ट्रैक्टर-ट्रॉली तालाब में पलटने से अब तक 24 लोगों की मौत हो गई। ट्रॉली में 54 लोग सवार थे। फिलहाल, मौके पर बुलडोजर से रेस्क्यू किया जा रहा है। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। बताया जा रहा है कि सभी लोग एटा के जैथरा के रहने वाले हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, हादसा स्पीड की वजह से हुआ। ड्राइवर के कंट्रोल खोने से ट्रैक्टर सड़क से उतरकर तालाब में जा गिरा। ये लोग माघी पूर्णिमा पर ट्रैक्टर-ट्रॉली से कासगंज स्थित कादरगंज घाट पर गंगा स्नान करने जा रहे थे, तभी रियावगंज पटियाली मार्ग पर गढ्ढई गांव के पास हादसा हुआ। चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनकर आस-पास के लोग पहुंचे। देखते-देखते बड़ी संख्या में लोग जुट गए। डीएम ने अब तक 15 लोगों की मौत की पुष्टि की है। वहीं, 24 लोगों की मौत के बाद जैथरा गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। गांव के लोग उनके घरों में पहुंच गए हैं, जिनके यहां किसी की मौत हुई है। खुशी वाले गांव में रोने की आवाजें सुनाई दे रही हैं। 24 लोगों की मौत के बाद एटा के जैथरा गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। गांव के लोग उनके घरों में पहुंच गए हैं, जहां पर किसी की मौत हुई है। खुशी वाले गांव में सिर्फ रोने की आवाजें सुनाई दे रही हैं।

फिर 5000 करोड़ का कर्ज लेगी एमपी सरकार

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार फरवरी में तीसरी बार कर्ज लेने जा रही है। 5 हजार करोड़ रुपए का यह कर्ज अलग-अलग तीन स्वरूप में 27 फरवरी

को लिया जाएगा। जिसका भुगतान सरकार को 28 फरवरी को होगा। कर्ज की यह राशि 20, 21 और 22 साल के लिए उधारी पर ब्याज चुकाने के रूप में ली जा रही है। लोकसभा चुनाव के पहले यह कर्ज राज्य सरकार की योजनाओं के हितग्राहियों और सरकार के खर्च को ध्यान में रखते हुए लिए लिया जा रहा है। इसके पहले इसी माह 6 फरवरी और 20 फरवरी को सरकार के खर्च की भरपाई के लिए कर्ज लिया जा चुका है। वित्तीय सीमा को

● एक हफ्ते में दूसरा बड़ा कर्ज, फरवरी में तीसरी बार उधार लेंगे

ध्यान में रखते हुए मार्च में भी कर्ज लेने की तैयारी बताई जा रही है। 27 फरवरी को जो कर्ज लिया जाना है वह 2000-2000 करोड़ और 1000 करोड़ के रूप में लिया जाएगा। पहले और दूसरे 2000-2000 करोड़ रुपए के कर्ज 20 साल और 21 साल के लिए होंगे, जिसका ब्याज सरकार चुकाती रहेगी, और कर्ज की अवधि 28 फरवरी 2044 तथा 28 फरवरी 2045 होगी।

शुभेंदु अधिकारी बोले- सिख ऑफीसर को खालिस्तानी नहीं कहा

वीडियो में मेरी आवाज मैन्युफैक्चर्ड, ममता ने आरोप लगाते हुए वीडियो शेयर किया था

कोलकाता (एजेंसी)। भाजपा और पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार (24 फरवरी) को सिख आईपीएस ऑफीसर जसप्रीत सिंह को खालिस्तानी कहने से इनकार कर दिया। शुभेंदु का कहना कि संदेशखाली घटना के वायरल वीडियो में उनकी आवाज और तस्वीर एआई से बनाई गई है। दरअसल, मंगलवार को शुभेंदुअधिकारी और पार्टी नेताओं को उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली में प्रवेश से रोक दिया गया था।

प्रदेश में सुलभ न्याय के लिए ई सेवा केन्द्र को लोकप्रिय बनाएं

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की कम्प्यूटर एवं ई कोर्ट कमेटी की बैठक भोपाल में हुई

भोपाल। प्रदेश में जन सामान्य को न्याय सुलभ से मिल सके, इसके लिये ई सेवा केन्द्र को पंचायत स्तर तक लोकप्रिय बनाने की आवश्यकता है। कोर्ट से जुड़ी डेश बोर्ड पर उपलब्ध जानकारी का अधिक से अधिक उपयोग किया जाए। इससे न्याय प्रक्रिया में बेहतर परिणाम सामने आएंगे। यह निर्देश आज भोपाल के नरोन्हा प्रशासन अकादमी में कम्प्यूटर एवं ई कोट कमेटी की बैठक में दिये गये। बैठक जस्टिस रोहित आर्या और जस्टिस श्री

धर्माधिकारी की उपस्थिति में हुई। बैठक में ई कोर्ट से जुड़ी परियोजनाओं की राज्य शासन के विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में 21 हजार ग्राम पंचायत पर ई सेवा केन्द्र काम कर रहे हैं। इन सेवा केन्द्रों में कोर्ट से जुड़ी सभी आवश्यक जानकारियां सामान्यजन को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। बैठक में मेडलेपार परियोजना की समीक्षा करते हुए बताया गया कि यह सॉफ्टवेयर 26 जनवरी 2019 से तैयार किया गया है। इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से पोस्ट मार्टम और एमएलसी से जुड़ी जानकारी ऑनलाइन देने की व्यवस्था की गई है। बैठक में बताया गया कि ट्रेफिक रेगुलेशन के लिये वर्चुअल कोर्ट की सुविधा है। इसमें ई चालान जारी किये जाने की व्यवस्था है। बैठक में मध्यप्रदेश हाई कोर्ट के तैयार किये गये डेश बोर्ड पर चर्चा की गई।

एमपी में कांग्रेस की 'राम यात्रा' पर भड़के शिवराज-गिरिराज

बोले-भगवान को काल्पनिक बताने वाले अब कर रहे हैं राम यात्रा

भोपाल (एजेंसी)। एमपी में राहुल गांधी की न्याय यात्रा 2 मार्च को मुरैना के रास्ते एंट्री कर रही है। कांग्रेस इसे लेकर तैयारियों में जुटी है। खुद कमलनाथ ने ट्वीट कर इस न्याय यात्रा में भाग लेने की बात कही

● राहुल गांधी की यात्रा के बाद एमपी में शुरू होगी राम यात्रा, ऐलान

है। इसके साथ ही उन्होंने कार्यकर्ताओं से भी ज्यादा से ज्यादा संख्या में भाग लेने की अपील की। इस यात्रा के जरिए कांग्रेस लोकसभा चुनाव के लिए जमीन तलाश रही है। कांग्रेस के एमपी अध्यक्ष जीतू पटवारी ने अब इससे आगे की रणनीति का खुलासा किया है। उन्होंने ऐलान किया है कि न्याय यात्रा के खत्म होने के बाद कांग्रेस एमपी में 'राम यात्रा' निकालेगी। एक सवाल के जवाब में पीएम मोदी पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि जब वो कहेंगे उसी दिन राम मंदिर

जाएंगे क्या। हर व्यक्ति को अपने जीवन को अपने ढंग से जीने का अधिकार है। उनके इस ऐलान के बाद बीजेपी नेता गिरिराज सिंह ने उन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कल तक जो लोग राम को काल्पनिक मानते थे। वो आज राम यात्रा निकालने की बात कर रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मैं पीएम मोदी को धन्यवाद दूंगा कि उन्होंने कई लोगों को जनेऊ पहनवा दिया। कांग्रेस राम यात्रा भी निकाल रही है। अयोध्या दर्शन को भी जाएगी। मोदी तो मोदी है और मोदी है तो मुमकिन है। जो लोग कल तक भगवान राम को काल्पनिक कहते थे, वे आज राम यात्रा निकालने की बात कर रहे हैं। ये तो सनातन की जीत है। इसके अलावा पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान ने भी कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मुझे आश्चर्य होता है कि जो कल तक राम को काल्पनिक कहते थे। आज वो रामभक्त बन रहे हैं। हनुमान भक्त बन रहे हैं और दिग्विजय सिंह रामधुन गा रहे हैं। कमलनाथ हनुमान चालीसा पढ़ रहे हैं।

भोपाल मास्टर प्लान ड्राफ्ट पर विधायकों की आपत्ति पड़ी भारी

बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा ने इसे धोखा बताया था; गौर ने भी आपत्ति जताई थी

भोपाल। भोपाल के मास्टर प्लान का ड्राफ्ट अब नए सिरे से बनेगा। 2031 के ड्राफ्ट को मंत्री, सांसद और विधायकों ने खारिज कर दिया है। अब यह साल 2047 की आबादी के हिसाब से तैयार होगा। दिसंबर 2024 तक प्रोसेस पूरी होगी। फिर लागू कर दिया जाएगा। जनप्रतिनिधियों के सुझाव के आधार पर नया ड्राफ्ट बनेगा। मौजूदा ड्राफ्ट पर विधायकों की नाराजगी और आपत्तियां ही भारी पड़ी थी। बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा ने तो ड्राफ्ट को शहर की 35 लाख आबादी के साथ धोखा बताया था, जबकि मंत्री कृष्णा गौर ने भी आपत्ति ली थी। पिछले साल अगस्त से सितंबर तक 6 चरण में ऑनलाइन सुनवाई की गई थी। जिसमें विधायक शर्मा ने कई सवाल उठाए थे। उन्होंने साफ कहा था कि प्रस्तावित मास्टर प्लान बिना भौतिक सत्यापन किए यानी शहर की परिस्थितियों को समझे बिना ही आंख बंद करके बना दिया गया है। यह शहर की 35 लाख आबादी के साथ धोखा है। 60-70 वर्षों से लेकर 100 साल तक पुराने गांव हैं, जो कि अब नगर निगम सीमा में है। उनकी भूमि एग्रीकल्चर थी। अब उनकी भूमि को ग्रीन बेल्ट और कैचमेंट में डाल दिया गया। जिसके कारण वह अपनी भूमि पर खेती से संबंधित भी कोई उपक्रम

या डेयरी आदि भी संचालित नहीं कर पाएंगे। ऐसे किसानों के परिवार का जीवन-यापन कैसे होगा। मास्टर प्लान इंसानों के लिए होता है लेकिन प्रस्तावित प्लान से इंसानों को बेघर किया जा रहा है। कलेक्टर के आदेश से जिन बस्तियां को पुनः बसाया गया है, उसे भी कैचमेंट में डाल दिया गया है।

कॉलोनियों को भी कैचमेंट एरिया में डाला था- विधायक शर्मा ने कहा था कि पुराने ड्राफ्ट में नीलबड़ की 45 कॉलोनियों सहित रातीबड़, नीलबड़ एवं अन्य क्षेत्रों में सैकड़ों अवैध कॉलोनियों को मुख्यमंत्री ने वैध घोषित किया है, लेकिन प्रस्तावित मास्टर प्लान में इस एरिया को कैचमेंट में डालकर लोगों को बेघर करने का काम किया जा रहा है, जो बर्दाश्त नहीं है। विधायक शर्मा ने कहा, ऐसा मास्टर प्लान बनाइए कि आम नागरिक का भला हो, उसके बेटा-बेटी रहने के लिए घर बना सके, उसे सुविधा मिल सके, अस्पताल बन सके, स्कूल बन सके, सड़कें बन सके, आसपास व्यवसायिक परिसरों का निर्माण हो सके।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, रविवार 25 फरवरी , 2024

कलेक्टर श्री सिंह ने औद्योगिक क्षेत्र का भ्रमण किया औद्योगिक संस्थानों में अग्नि व विद्युत सुरक्षा व्यवस्था के दिये निर्देश

हरदा (निप्र)। कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने शुक्रवार को हरदा शहर के औद्योगिक क्षेत्र का भ्रमण किया। उन्होने इस दौरान संस्थानों का भ्रमण कर वहां अग्नि शामक यंत्र व विद्युत सुरक्षा की उचित व्यवस्था करने के निर्देश संस्थान संचालकों को दिये। इस दौरान उन्होने संचालकों को औद्योगिक नियमों का पालन करने के निर्देश भी दिए।

इस अवसर पर महा प्रबंधक उद्योग एवं व्यापार केंद्र श्री सचिन रोमड़े उपस्थित थे। उन्होने इस दौरान जिले की सभी औद्योगिक इकाइयों के साथ मगंलवार को बैठक आयोजित करने के निर्देश जिला प्रबंधक उद्योग को दिए। उन्होने निरीक्षण के दौरान नगर पालिका हरदा को औद्योगिक क्षेत्र में पर्याप्त साफ-सफाई, रोशनी के लिये लाइट की व्यवस्था कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर फेक्ट्री संचालकों ने कलेक्टर श्री सिंह को असामाजिक तत्वों की समस्या के बारे में अवगत कराया, जिस पर उन्होने पुलिस विभाग को औद्योगिक क्षेत्र में पेट्रोलिंग करने के निर्देश दिए।कलेक्टर श्री सिंह मेसर्स शिवम् प्लायवुड का निरीक्षण कर वहां के कर्मचारियों से अग्निशामक यंत्र को ऑपरेट करके दिखाने के लिये कहा, जिसे कर्मचारी ऑपरेट नहीं कर सके।

इस पर कलेक्टर श्री सिंह ने संस्थान संचालक को सभी कर्मचारियों को अग्निशामक यंत्र को ऑपरेट करने संबंधी प्रशिक्षण देने के निर्देश दिये। इस दौरान उन्होने संस्थान की दीवार क्रेक होने के कारण उसे नया बनाने के लिए फैक्ट्री के मालिक को निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होने मशीनों के संचालन की प्रक्रिया भी देखी। मेसर्स नवीन बेकरी के निरीक्षण के दौरान गैस सिलेंडर व अन्य सामग्री एक ही स्थान पर अव्यवस्थित मिलने पर उन्होने सामग्रियों को व्यवस्थित रखने के निर्देश संबंधित फैक्ट्री मालिक को दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने विजय फ्लोर मिल का भ्रमण कर वहां संचालित मशीनों का अवलोकन किया।

संक्षिप्त समाचार

अवैध मदिरा के विरूद्व कार्यवाही

सीहोर (निप्र)। जिले में अवैध मदिरा के विरूद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। अवैध मदिरा के विरूद्व कार्यवाही के लिए कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह ने दिशा निर्देश दिये गये थे। जिस पर जिला आबकारी अधिकारी श्री सीएलमधुकर ने विभागीय अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में अवैध मदिरा के विरूद्व कार्यवाही के निर्देश दिये गये। इसी के तहत आबकारी उपनिरीक्षक सुश्री शारदा कारोलिया को मुखबिर के माध्यम से एक व्यक्ति के कब्जे में बडी मात्रा में अवैध शराब रखे होने की सूचना प्राप्त होने पर उनके नेतृत्व में एक दल तत्काल कार्यवाही के लिए चौपाल सागर तिराहे के पास इंदौर-भोपाल हाइवे थाना मण्डी रवाना हुआ। जहां सफेद रंग की बोलेरो वाहन क्रमांक MP37C5087 को रोककर विधिवत तालशी लिए जाने पर वाहन से आरोपी रितेश आ0 रेवाराम गौंड उम्र-30 निवासी ग्राम कुसमानिया तहसील कन्नौद, जिला देवास एवं आरोपी जमुना प्रसाद आ0 अनोखीलाल परमार उम्र 42 निवासी ग्राम भिलाई तहसील कन्नौद जिला देवास के अधिपत्य से 99 पाव प्लेन देशी मदिरा, 148 पाव जिप्सी व्हिस्की, 49 पाव गोवा व्हिस्की, एवं 49 पाव सुपर मास्टर व्हिस्की कुल 345 नग देशी-विदेशी मदिरा पाव बरामद किए गए। मौके पर विधिवत कार्यवाही करते हुये कुल 62.1 बल्क लीटर शराब बरामद कर जप्त करते हुए आरोपियों के विरूद्ध मदिरा के अवैध अधिपत्य का आबकारी अधिनियम 1915 के तहत प्रकरण कायम कर आरोपियों को गिरफतार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया। विभाग द्वारा आगे भी अवैध मदिरा के विरूद्ध अभियान निरंतर जारी रहेगा।

शासकीय महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में खाद्य पदार्थों में मिलावट के विरुद्ध जन जागरूकता

सीहोर (निप्र)। शासकीय महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में खाद्य सुरक्षा अभियान के तहत हेल्थ क्लब के माध्यम से खाद्य पदार्थों में मिलावट के विरुद्ध जन जागरूकता पहुंचने के उद्देश्य एवं छात्राओं को पौष्टिक आहार प्राप्त हो इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए डॉ. आशीष आर्य द्वारा कॉलेज में संपन्न सेमिनार को संबोधित कर समस्त छात्राओं को पोस्टिक आहार और खाद्य पदार्थों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

अवैध मदिरा के विक्रय व संग्रहण के विरूद्ध कार्यवाही कर 10 प्रकरण दर्ज किये

हरदा (निप्र)। आबकारी विभाग के दल ने गुरूवार को अवैध मदिरा के विक्रय संग्रहण व परिवहन के मामलों में कार्यवाही की है। जिला आबकारी अधिकारी श्री रितेश लाल ने बताया कि उनके विभागीय दल ने वृत हरदा के ग्राम गहाल, कमताड़ा, मसनगांव, खेड़ीपुरा व दूध डेयरी मोहल्ला तथा वृत खिरकिया के ग्राम सारंगपुर, देवपुर, बम्हनगांव व खिरकिया में दबिश देकर कुल 36 पाव देशी शराब, 22 लीटर हाथ भट्टी शराब एवं 330 किलोग्राम महुआ लहान जप्त किया। उन्होंने बताया कि मुद्देमाल जप्त कर मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत कुल 7 प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिए गए। जप्त शराब का अनुमानित बाजार मूल्य 39740 रूपये है।

खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा डेयरी व किराना दुकानों से लिए गए नमूने

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह के निर्देश पर खाद्य पदार्थों में मिलावट को रोकने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा डेयरी एवं किराना दुकानों दूध एवं किराना सामग्री के नमूने लेकर जांच के लिए भोपाल भेजे गए । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ सुधीर कुमार डेहरिया ने जानकारी दी कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी दीपाली कांगे तथा सारिका गुप्ता ने पचामा स्थित ए टू फूड्स, पंजवानी इंटरप्राइजेज, एवं सीहोर स्थित रामाश्री वेफर्स का निरीक्षण किया एवं नमूने लिए । सभी नमूने जांच के लिए भोपाल लैब में भेजे गए है। रिपोर्ट अमानक पाए जाने पर संबंधित संस्थानों को विरुद्ध खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्यवाही की जाएगी ।

अपर कलेक्टर न्यायालय ने 70 बल्क लीटर अवैध हाथभट्टी मदिरा राजसात करने के दिए आदेश

रायसेन (निप्र)। अपर कलेक्टर न्यायालय में जिला आबकारी रायसेन की ओर से प्रस्तुत प्रकरण की विवेचना उपरांत अपर कलेक्टर श्री अभिषेक दुबे ने मप्र आबकारी अधिनियम संशोधन 2000 के अंतर्गत प्रकरण क्रमांक 570/2023 में जप्त की गई कुल 70 बल्क लीटर अवैध हाथभट्टी मदिरा अधिहरण/राजसात किए जाने के आदेश दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि आबकारी उप निरीक्षक वृत बरेली द्वारा 13 अक्टूबर 203 को गश्त के दौरान बाड़ी-भारतकच्छ रोड पर मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर तस्दीक हेतु शासकीय भूमि पर स्थित नाले किनारे झाड़ियों की तलाशी ली गई। इस दौरान झाड़ियों की आढ़ में छुपाकर रखी 6 प्लास्टिक के ड्रमों में करीबन 1080 किलोग्राम गुड़ मिश्रित महुआ लाहन सेम्पल लेकर नष्ट किया गया। साथ ही दो प्लास्टिक की मटमेले रंग की केनों में रखी प्रत्येक केन में 35-35 लीटर के हिसाब से कुल 70 बल्क लीटर अवैध हाथ भट्टी मदिरा विधिवत सीलबंद कर कब्जा लिया गया और प्रकरण क्रमांक 570/2023 पंजीबद्ध किया गया। जिला आबकारी अधिकारी की ओर से प्रकरण अपर कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत होने पर आबकारी अधिनियम (संशोधन) 2000 के तहत जप्तशुदा कुल 70 बल्क लीटर अवैध हाथ भट्टी मदिरा अधिहरण/राजसात किए जाने के आदेश दिए गए हैं।

सभी तहसीलदार फील्ड में सतत भ्रमण कर मॉनिटरिंग करें

हरदा (निप्र)। कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में राजस्व विभाग के कार्यों की समीक्षा की। बैठक में उन्होने निर्देशित किया कि सभी तहसीलदार फील्ड में सतत भ्रमण करें। हर पटवारी के पास निरीक्षण पंजी होना चाहिए। विवादित नामांतरण के मामले में तहसीलदार मौके पर जाकर निरीक्षण करें। सायबर तहसील के प्रकरणों को सर्वोच्च प्राथमिकता से निराकरण करें। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री रोहित सिसोनिया, एसडीएम खिरकिया श्री अशोक डेहरिया, एसडीएम टिमरनी श्री महेश बड़ोले सहित अन्य राजस्व अधिकारी उपस्थित थे।कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देशित किया कि सभी अधिकारियों के पास पोर्टल से संबंधित आईडी पासवर्ड होना चाहिए। उन्होने सभी अधिकारियों को सात दिवस में सभी वेयर हाउसों का निरीक्षण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। उन्होने जिले के पुल पुलियाओं का निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिये। उन्होने खाद्य सुरक्षा अधिकारी एवं औषधि निरीक्षक को प्रतिष्ठानों पर खाद्य पदार्थों की जांच करने के निर्देश दिये।

शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में मिलावट से मुक्ति अभियान के तहत खाद्य पदार्थों की सैम्पलिंग व प्रभावी जांच जारी

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव द्वारा दिए निर्देशों के अनुपालन में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 विनियम 2021 के तहत सघन जांच पड़ताल अभियान संचालित किया जा रहा है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी एवं उनके सहयोगियों द्वारा लगातार की जा रही जांच पड़ताल का असर शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में दिखने लगा है। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि खाद्य सामग्री की निरंतर जांच की जाए । छात्रावासो, मध्याह्न भोजन तैयार करने वाले समूहों, तथा विभिन्न क्षेत्रों में संचालित रिसोर्टो, होटलों एवं खाघ सामाग्री विक्रेताओं की संस्थानों में जांच पड़ताल की जाए। उक्त कार्यो के दौरान किसी को भी असुविधाओं का सामना न करना पड़े का भी निरीक्षण के दौरान ध्यान रखा जाए। कलेक्टर श्री भार्गव ने कार्यवाही का व्यापक प्रचार प्रसार भी कराया जाए के निर्देश प्रसारित किए हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को सतत् समीक्षा कर अभियान की मंशा अनुरुप कार्यो को मुर्तरुप दिया जाएं। मिलावट से मुक्ति अभियान के अंतर्गत चलित प्रयोगशाला द्वारा अटारीखेजड़ा में जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम द्वारा जनजागरूकता के संदेश का संप्रेषण किया तथा जांच पड़ताल के दायित्वों का निर्वाह किया है।

हितग्राही के घर पर भी लगी नेम प्लेट

विदिशा (निप्र)। विदिशा नगर के वार्ड नंबर एक में निवासरत प्रीतम लाल अहिरवार को प्रधानमंत्री शहरी आवास से पक्के मकान की सौगात मिली है ।जिससे इनकी परेशानी दूर हुई। हितग्राही श्री प्रीतम लाल अहिरवार इससे पहले कच्चे मकान में रहकर अपनी जिंदगी गुजर-बसर कर रहे थे। चिढोलवाली माता मंदिर को प्रवेश द्वार से करीब नपा द्वारा स्वीकृत 15 हितग्राहियों को पीएम आवास बने हैं। जिसमें प्रीतम लाल भी शामिल हैं।उन्होंने कभी सोचा ही नहीं था कि उनका पक्का मकान होगा। वह वरसात में कच्चे मकान के टपकते छप्पर को सुधार कर किसी भी तरह रह रहे थे। प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना ने उनके जीवन की सबसे बड़ी मनोकामना स्थाई पक्का मकान को पूरा किया है।उन्हें पक्के आवास की राशि मिलती गई और स्वयं का पक्का मकान बना लिया है। अब उन्हें वरसात, गर्मी व ठण्डी की चिंता नहीं है वह बिना किसी परेशानी के अपने पक्के मकान में रहकर खुशी-खुशी जीवन यापन कर रही है। इन सौगात के लिये प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव को धन्यवाद अभिव्यक्त करते हुए गरीबों के हित में प्रारंभ की गई योजनाओं से गरीबों की दिक्कते दूर हो रही है। हितग्राही श्री प्रीतम लाल अहिरवार के मकान दरवाजा के बाजू में योजनाओं को रेखांकित करने वाली नेम प्लेट लगी हुई है जिस पर संपूर्ण विवरण अंकित है

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में फसल बीमा पॉलिसी के लिए हितग्राही ने दिया धन्यवाद : प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में बीमा हो जाने पर विदिशा के ग्राम खेरुआ हाट निवासी कृषक श्री महेंद्र रघुवंशी ने प्रधानमंत्री जी और मुख्यमंत्री जी के प्रति आभार प्रकट किया है। आज विदिशा के पीएनबी कृषक प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित कृषि विज्ञान मेला कार्यक्रम के समापन अवसर पर हितग्राही कृषक श्री महेंद्र रघुवंशी का फसल बीमा हो जाने पर उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना कृषकों के लिए बहुत ही उपयोगी है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना तहत सरकार द्वारा कृषकों की फसल का बीमा किया जाता है जिस पर सब्सिडी भी प्रदाय की जाती है रबी और खरीफ की फसल बीमा पर 75 प्रतिशत बीमा कवरेज दिया जाता है।

पंचायत भवनों पर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी अंकित कराएं

हरदा (निप्र)। कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि पंचायत भवन में ग्राम की सामान्य जानकारी व शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित जानकारी अंकित की जाए, ताकि आमजन को उसकी जानकारी रहे। उन्होने निर्देशित किया ग्रामीण क्षेत्र में पेयजल स्त्रोतो, धार्मिक स्थानों व सार्वजनिक स्थलों पर साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री रोहित सिसोनिया, सीईओ जनपद पंचायत, एडीओ, पीसीओ, सहित जिला पंचायत के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देशित किया कि ग्राम पंचायत में एक निरीक्षण पंजी संधारित की जाए। उन्होने निर्देशित किया कि दस्तावेज के अभाव में कोई भी ग्रामीण योजनाओं का लाभ लेने से वंचित न रहें, दस्तावेज तैयार कराने में उसकी मदद करें। शिवरात्रि पर्व पर घाटों व मंदिरों पर साफ-सफाई का ध्यान रखा जाए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिसोनिया ने निर्देशित किया कि सभी अधिकारी ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से समय सीमा में पूर्ण कराएं तथा समय-समय पर कार्यों का निरीक्षण करें।

कलेक्टर श्री सिंह ने महिला बाल विकास विभाग के कार्यो की समीक्षा की : कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा की। उन्होने निर्देशित किया कि जिन आंगनवाड़ियों के शासकीय भवन नहीं बने है, उनके भवन निर्माण के लिये शासन को प्रस्ताव भेजें। उन्होनें कहा कि आंगनवाड़ी केन्द्रों को आदर्श आंगनवाड़ी केन्द्र की तरह संचालित करें। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री रोहित सिसोनिया, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्री संजय त्रिपाठी, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित महिला एवं बाल विकास विभाग के अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि एसडीएम से समन्वय कर अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित करें। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा दिये गये निर्देशों को ध्यान से पढ़कर उनका पालन सुनिश्चित करें। सांझा चूल्हा का प्रॉपर संचालन करें, जहां भोजन बन रहा है वहां साफ सफाई रहे, इस बात का ध्यान रखें।

आष्टा में सामूहिक कन्या विवाह समारोह में शामिल हुए राजस्व मंत्री

सीहोर (निप्र)। आष्टा में आयोजित विश्वकर्मा समाज के सामूहिक कन्या विवाह समारोह में प्रदेश के राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा शामिल हुए । उन्होंने नव दंपतियों को आशीर्वाद दिया । राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन सराहनीय है। इससे फिजूल खर्ची नहीं होती और समाज के सभी छोटे-बड़े, अमीर, गरीब परिवारों के वर-वधू सामूहिक रूप से विवाह-सूत्र में बंधते है । राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा निर्माण और सृजन के देवता हैं। ब्रह्मा ने सृष्टि की रचना के बाद उसके निर्माण और सृजन की जिम्मेदारी भगवान विश्वकर्मा को ही सौंपी थी ।

विश्वकर्मा का अर्थ होता है विश्व का निर्माता । भगवान विश्वकर्मा ही इस सृष्टि के वास्तुकार हैं, उन्हें दुनिया का पहला इंजीनियर भी माना जाता है। भगवान विश्वकर्मा संपूर्ण मानव जाति के लिए पूजनीय है। राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार सभी समाज सभी वर्गों के कल्याण के लिए काम कर रही है । आज समाज के हर व्यक्ति को किसी न किसी योजना का लाभ मिल रहा है । उन्होंने कहा कि प्रदेश में भी विश्वकर्मा बोर्ड का गठन किया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कारीगरों और शिल्पकारों को रोजगार से जोड़ने के लिए प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना शुरू की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश लोगों के कल्याण के साथ साथ विकास के काम भी तेजी से हो रहे हैं ।

आज मध्यप्रदेश विकास के मामले में अग्रणी राज्यों में शामिल हो गया है। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना, मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना, कन्या विवाह योजना, प्रधान मंत्री उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत, जैसी अनेकों योजनाओं ने लोगों को चिंता मुक्त किया है । श्री वर्मा ने कहा कि आज महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा कई योजनाएं चलाई जा रही है । अब महिलाएं आत्मनिर्भर हो रही हैं और परिवार को चलाने में योगदान दे रही हैं ।

कलेक्टर श्री सिंह ने निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा कीसड़क निर्माण कार्य भी देखा

हरदा (निप्र)। कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उन्होने समीक्षा बैठक में अधिकारियों से लोक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, सड़क विकास निगम, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, पीआईयू, एनएचएआई के निर्माणाधीन एवं पूर्ण हो चुके कार्यों की जानकारी ली। इस दौरान उन्होने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्य समय सीमा में निर्धारित गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य पूर्ण होने पर साइट की प्रापर फिनिशिंग की जाये। इससे पूर्व कलेक्टर श्री सिंह ने नीमगांव से पलासनेर तक सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होने कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग श्री सुभाष पाटिल को समय सीमा में सड़क निर्माण कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्री सिंह ने हरदा शहर में कलेक्ट्रेट चौराहे से पीलियाखाल अंडर ब्रिज तक लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्मित सड़क का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये।

कुबेरेश्वर धाम में महाशिवरात्रि पर आयोजित होने वाली कथा के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में कलेक्टर-एसपी ने ली बैठक

सीहोर (निप्र)। कुबेरेश्वर धाम में महाशिवरात्रि पर 07 से 14 मार्च तक सात दिवसीय कथा का आयोजन किया जा रहा है। इस कथा में देशभर से लाखों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। इस कथा के संबंध में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह तथा एसपी श्री मयंक अवस्थी ने स्थानी रेस्ट हाउस में पुलिस एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों तथा विठ्ठलेश्वर सेवा समिति के सदस्य के साथ बैठक की । अधिकारियों की बैठक के पूर्व कलेक्टर श्री सिंह एवं एसपी श्री अवस्थी ने कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के साथ इस आयोजन के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तार से चर्चा की। बैठक में कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह ने कथा के दौरान बेहतर इंतजाम करने एवं लोगों की सुरक्षा के साथ ही नेशनल हाईवे पर आवागमन सुगम बनाए रखने के लिए मार्ग परिवर्तित करने तथा वैकल्पिक मार्ग के संबंध में चर्चा की । उन्होंने कथा के दौरान पानी, बिजली, साफ सफाई, अस्थाई शौचालय, पार्किंग, हेल्थ कैम्प, आकस्मिक चिकित्सा व्यवस्था, एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड, कन्ट्रोल रूम, सहायता केंद्र, मार्ग मरम्मत सहित अन्य व्यवस्थाएं सुचारू रखने के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए ।

कलेक्टर-एसपी ने लिया जायजा : बैठक के पश्चात कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह एवं एसपी मयंक अवस्थी सहित सभी संबंधित अधिकारियों ने कथा स्थल के आसपास के स्थानों, मार्गों का जायजा लिया तथा अधिकारियों को सभी आवश्यक तैयारियां समय से पहले सुनिश्चित करने के निर्देश दिए । कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह ने व्यवस्था के लिए पर्याप्त अधिकारियों-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए तथा जिन अधिकारियों की ड्यूटी लगाई जाए वे 05 मार्च को अपने डयूटी स्थल पर पहुँच कर उनके द्वारा किए जाने वाले कार्यों को भली भांति समझने के निर्देश दिए । बैठक में सहायक कलेक्टर श्री अर्पित गुप्ता, एसडीएम श्री तन्मय वर्मा, जनपद सीईओ श्रीमती नमिता बघेल, नगर पुलिस अधीक्षक श्री निरंजन सिंह राजपूत नायब तहसीलदार रिया जैन, सहित सभी संबंधित अधिकारी एवं श्री विठ्ठलेश्वर सेवा समिति सदस्य उपस्थित रहे।

अवैध मदिरा के विक्रय व संग्रहण के विरूद्ध कार्यवाही कर 10 प्रकरण दर्ज किये

हरदा (निप्र)। आबकारी विभाग के दल ने शुक्रवार को अवैध मदिरा के विक्रय संग्रहण व परिवहन के मामलों में कार्यवाही की है। जिला आबकारी अधिकारी श्री रितेश लाल ने बताया कि उनके विभागीय दल ने वृत हरदा के ग्राम देवतलाब, कायागांव, बैरागढ़, खेड़ीपुरा मोहल्ला व टंकी मोहल्ला, वृत खिरकिया के ग्राम नगावामाल व चौकड़ी तथा वृत टिमरनी के ग्राम बैड़ी, खेड़ा व आलमपुर में दबिश देकर कुल 25 पाव देशी शराब, 18 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब व 370 किलोग्राम महुआ लहान जप्त किया। उन्होंने बताया कि मुद्देमाल जप्त कर मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत कुल 10 प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिए गए। जप्त शराब का अनुमानित बाजार मूल्य 42225 रूपये है।

दैनिक
सद्भावना पाती
...प्राणियों में सद्भावना हो...
इंदौर पाती
3
इंदौर, रविवार 25 फरवरी , 2024

एसजीएसआईटीएस के छात्र ने आपस में जमकर की मारपीट, शराब के नशे में थे छात्र

इंदौर। इंदौर शहर के प्रतिष्ठित गोविंदराम सेकसरिया इंजीनियरिंग कॉलेज (जीएसआईटीएस) में जूनियर और सीनियर छात्रों के दो गुट आमने-सामने हो गए। दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हुई। एक छात्र को शराब की बोतल लगी है। उसकी आंख पर चोट है।घटना शुक्रवार देर रात की है। घायल छात्र प्रियांशु राठौर (द्वितीय वर्ष) अपने पांच दोस्तों के साथ कॉलेज के बाहर पान की दुकान पर खड़ा था। वहां से सीनियर (फ़ाइनल) के छात्र गुजरे तो उसने कुछ कमेंट्स की। सीनियर में कहा तू हमारे सामने कैसे बोल सकता है। विवाद किया और होस्टल से फोर्थ, थर्ड और सेकंडईयर के क़रीब दो सौ छात्र लेकर आ गया। दोनों पक्षों में खूब विवाद हुआ। हालांकि पुलिस और फैकल्टी ने समझा दिया। थोड़ी देर बाद प्रियांशु दोस्त विकास के साथ मालवा मिल की तरफ़ जा रहा था तो वापस भीड़ गए। क़रीब पच्चीस लड़कों ने मारपीट की। विकास को पीटा और कांच की बोतल मार दी। पान की दुकान से विवाद की शुरुआत हुई। विवाद करने वाले छात्र शराब के नशे में थे। डे-स्कालर और होस्टलर आपस में विवाद करते रहे है और कालेज प्रबंधन ने ध्यान नहीं दिया।

खराब ईवीएम मशीन सुधरने जाएगी बेंगलुरु

इंदौर। विधानसभा चुनाव में इस्तेमाल की गई मशीनों को लोकसभा चुनाव (के लिए तैयार किया जा रहा है। टेस्टिंग सेशन में इस्तेमाल करने में लापरवाही के कारण 1 प्रतिशत ईवीएम जहां खराब पाई गई हैं, वहीं आधा प्रतिशत वीवीपैट व बैलेट यूनिटऔर कंट्रोल यूनिट के सेंसर गलत इस्तेमाल के तरीकों के कारण उड़ गए। अब इन्हें सुधारने के लिए हेडक्वार्टर बेंगलुरु भेजा गया है।लोकसभा चुनाव की तैयारियों के पहले चरण में आयोग के निर्देश पर मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्य शुरू हो चुका है। वहीं मशीनों से जांच को लेकर फर्स्ट लेबल एफएलसी भी की जा चुकी है। निर्वाचन विभाग ऐसी मशीनों को छांट रहा है, जिनमें या तो कोई खामी हो या किसी कारणवश टूट-फूट हो गई है। राजनीतिक पार्टी के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में लगातार मशीनों को चलाकर देखा जा रहा है। विभागीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार प्रथम एफएलसी के बाद सिर्फ 1 प्रतिशत ही मशीनें ही खराब पाई गई हैं, जिनमें से कई मशीनों के सेंसर गिरने के कारण खराब हो गए हैं, तो बैलेट यूनिट व कंट्रोल यूनिट में छोटी-मोटी कमियां पाई गई हैं। विभागीय अधिकारियों के अनुसार किसी भी तरह की छोटी-मोटी खराबी पर भी मशीनों को सुधार के लिए चिह्नित किया जा रहा है। ज्ञात हो कि ईवीएम में छेड़छाड़ और सेटिंग किए जाने के आरोप लगते रहते हैं, जिसके चलते विभाग कोई चांस नहीं ले रहा है और खराब मशीनों को सुधार के लिए रवाना करने की तैयारियां कर रहा है।

रिमूवल टीम ने अवैध दुकानें तोड़ी

इन्दौर। नगर निगम की रिमूवल टीम ने एमओजी लाइन क्षेत्र में अवैध रूप से बनाई जा रही 10 से ज्यादा दुकानों को ढहाने की कार्रवाई शुरू की। वहां स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत कुछ प्लाट बेचे गए थे, जिस पर अवै रूप से दुकानें बना ली गई थी। उधर महूनाका क्षेत्र में बनी बालदा कॉलोनी को भी शिफ्ट किया जाना है, साथ ही कल फिर खजराना में कार्रवाई की जाएगी। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के अधिकारियों के मुताबिक एमओजी लाइन क्षेत्र में अलग-अलग कार्य होना है और पिछळे दिनों बुलाए गए टेंडरों के आधार पर स्मार्ट सिटी ने कुछ प्लाट व्यावसायिक और आवासीय कार्यों के लिए बेचे थे। इनमें से एमओजी लाइन मेन रोड के समीप कुछ प्लाटों पर 10 से ज्यादा दुकानें बनाई जा रही थी, जिसके लिए किसी प्रकार की ना तो अनुमति ली गई थी और ना ही निगम या स्मार्ट सिटी से कोई स्वीकृति जारी की गई थी।इसके चलते दस से ज्यादा दुकानों को ढहाने का काम शुरू कर दिया गया। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के अधिकारियों के मुताबिक एमओजी लाइन में वर्षों पुराने क्वार्टरों को काफी दिनों पहले खाली करा लिया गया थ और अब उन क्वार्टरों की तोड़ने की कार्रवाई भी योजना के चलते की जा रही है। 200 से ज्यादा क्वार्टर कर्मचारियों से खाली कराने के बाद तोड़े जा चुके हैं। कई क्वार्टर अभी भी बाकी हैं, जहां शासकीय कर्मचारी रह रहे हैं, लेकिन उनके लिए स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के अफसर कुछ शासकीय इमारतों में फ्लैट ढूंढ रहे हैं, ताकि उन्हें भी शिप्ट कराया जा सके। स्मार्ट सिटी की योजना है कि उक्त क्षेत्र को व्यावसायिक और आवासीय क्षेत्र के मान से बेहतर ढंग से डेवलप किया जाएगा और इसी के चलते वहां पुराने सभी क्वार्टर तोड़े गए थे। वहीं दूसरी और महूनाका क्षेत्र में बनी बालदा कॉलोनी को भी शिफ्ट किया जाना है, लेकिन उनके लिए कहीं वैकल्पिक स्थान नहीं मिल रहा है, क्योंकि रहवासी भी स्मार्ट सिटी के द्वारा बताए गए स्थानों पर शिफ्ट होने को तैयार नहीं है।

आगामी गाइडलाइन तय करने के लिए जिला मूल्यांकन समिति की बैठक संपन्न

इंदौर। जिला मूल्यांकन समिति की बैठक बुलाई गई , जिसमें उन क्षेत्रों की सूची प्रस्तुत की, जिसमें चालू वित्त वर्ष के दौरान अधिक रजिस्ट्रियां हुई या अधिक और ज्यादा मूल्य पर रजिस्ट्रियां हुई हैं। शासन ने पंजीयन विभाग को गाइडलाइन की समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं, वहीं कितनी फीसदी गाइडलाइन बढ़ाई जाना है, इसकी कोई जानकारी फिलहाल नहीं दी है। संभवत- लोकसभा चुनाव के मद्देनजर शासन अभी 1 अप्रैल से गाइडलाइन में कोई वृद्धि ना करे और फिर जुलाई के बाद कुछ क्षेत्रों में गाइडलाइन बढ़ाने की मंजूरी दी जाए।रियल इस्टेट कारोबार में बीते डेढ़ सालों से जो तेजी आई उसका असर यह हुआ कि पंजीयन विभाग की कमाई तो बढ़ी ही, वहीं दस्तावेजों की संख्या में भी इजाफा हुआ है। इस चालू वित्त वर्ष का ही लक्ष्य 2540 करोड़ रुपए तय किया गया है। जबकि जनवरी माह में ही विभाग ने 188 करोड़ रुपए कमाए और अभी तक लगभग डेढ़ लाख दस्तावेजों के पंजीयन हो चुके हैं। दूसरी तरफ पूर्वी रिंग रोड के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया भी प्रशासन ने शुरू करवा दी है, जिसके चलते संबंधित गांवों में जमीन की खरीद-फरोख्त पर रोक भी कराई गई थी, जिसके चलते भी रजिस्ट्रियों की संख्या में कुछ कमी आई। मगर अब रोक हटाने के बाद दस्तावेज बढ़ भी गए। आगामी वित्त वर्ष के लिए गाइडलाइन का निर्धारण किया जाना है, जिसकी पंजीयन विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है। वरिष्ठ जिला पंजीयक दीपक शर्मा से पूछने पर उन्होंने बताया कि जिला मूल्यांकन समिति की कल बैठक रखी गई है, जिसमें उन क्षेत्रों पर चर्चा की जाएगी जहां अधिक दस्तावेजों का पंजीयन हुआ है और वर्तमान गाइडलाइन से अधिक दरों पर भी रजिस्ट्रियां करवाई गई है।

अभी तक पंजीयन विभाग अपने वार्षिक लक्ष्य की तुलना में 72 फीसदी से अधिक राजस्व अर्जित कर चुका है और हर माह औसतन 15 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। हालांकि अप्रैल और मार्च में यह बढ़ोतरी 22 फीसदी तक करना होगी। पश्चिमी रिंग रोड के 34 गांवों में जमीनों की खरीद-फरोख्त पर रोक हटाने से भी जनवरी-फरवरी माह की रजिस्ट्रियों की संख्या में इजाफा भी हुआ। वहीं पूर्वी रिंग रोड में भी शामिल गांवों से रोक हटाने के प्रयास विभाग द्वारा किए जा रहे हैं। जल्द ही इसके भी आदेश प्रशासन द्वारा जारी कर दिए जाएंगे। दूसरी तरफ पश्चिमी रिंग रोड की जमीनों पर लगाई रोक के आदेश भी आज-कल में शिथिल हो जाएंगे। जो खसरा नम्बर नेशनल हाईवे अथॉरिटी को सडक़ निर्माण के लिए चाहिए और उन जमीनों का अधिग्रहण होना है उन्हें छोडक़र शेष जमीनों की रजिस्ट्रियों को अनुमति दी जाएगी। दूसरी तरफ जमीन अधिग्रहण का विरोध भी किसानों द्वारा किया जा रहा है। किसान नेता हंसराज मंडलोई के मुताबिक आज खुड़ैल तहसील मुख्यालय का उद्घाटन करने आ रहे राजस्व मंत्री करणसिंह वर्मा से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा जाएगा।

नर्सिंग घोटाला या अनियमितता

नर्सिंग कॉलेजों की सीबीआई जांच में प्रदेश के 308 में से 169 उपयुक्त, 73 में कमियां

इंदौर में सर्वाधिक 26 कॉलेज पाए गए फिट

पूनम शर्मा

इंदौर। मध्य प्रदेश में तथाकथित नर्सिंग कॉलेज घोटाले में सीबीआई की जांच रिपोर्ट पेश हो गई है। प्रदेश के कुल 308 नर्सिंग कॉलेज में से 169 फिट पाए गए हैं जिसमें इंदौर के सर्वाधिक 26 कॉलेज सीबीआई की जांच में उपयुक्त पाए गए जबकि 66 अनफिट करार दिए गए हैं। जांच मे 73 नर्सिंग कॉलेज मानकों को पूरा नहीं कर रहे।

भोपाल के GMC और BMHRC समेत 10 सरकारी कॉलेजों में भी खामियां पाई गईं। जबलपुर हाई कोर्ट में पेश सीबीआई की रिपोर्ट में पाया गया है कि कुछ कॉलेज मानकों को पूरा नहीं कर पा रहे हैं। रिपोर्ट में सूटेबल, डिफिशिएंट और अनसूटेबल तीन कैटेगरी में कॉलेजों को बांटा गया है। रीवा का शासकीय नर्सिंग कॉलेज चलाने की स्थिति में नहीं है। प्रदेश के 308 कॉलेजों में से 66 की हालात बहुत ज्यादा खराब बताई गई है। 73 कॉलेजों में नर्सिंग स्टाफ से लेकर कई अनियमितता पाई गई हैं। तथाकथित नर्सिंग फर्जीवाड़ा मामले में हाईकोर्ट ने जांच के निर्देश दिए थे। सीबीआई को कोर्ट ने कॉलेज पहुंचकर निरीक्षण कर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए थे। जांच के कारण पिछले चार साल से परीक्षा नहीं हो पाई है। परीक्षा नहीं होने के कारण लाखों बच्चों का भविष्य अधर में लटक गया है। छात्रवृत्ति सैंक्शन ना होने से कॉलेज की आर्थिक स्थिति भी खराब है।

इधर, राज्य सरकार ने नियमों में राहत देते हुए बड़ा बदलाव किया है। सरकार के नए नियम के मुताबिक, अब कॉलेज की इमारत के लिए 8 हजार वर्गफीट जमीन पर्याप्त होगी, जबकि पहले यह 23 हजार वर्गफीट थी। हालांकि सरकार के यह नियम इंडियन नर्सिंग काउंसिल के प्रावधानों के विपरीत बनाए हैं इसलिए अब इन नियमों का विरोध शुरू हो गया है।

इंदौर के ये कॉलेज पाए गए उपयुक्त

- 1. गवर्मेंट नर्सिंग कॉलेज
- 2. आर.डी. गार्डी कॉलेज ऑफ नर्सिंग
- 3. चोइथराम कॉलेज ऑफ नर्सिंग
- 4. इंदौर नर्सिंग कॉलेज
- 5. एस.डी.पी.एस. कॉलेज ऑफ नर्सिंग
- 6. आर.डी. मेमोरियल कॉलेज ऑफ नर्सिंग
- 7. सैफ इंस्टिट्यूट ऑफ़ नर्सिंग कॉलेज
- 8. बॉम्बे हॉस्पिटल कॉलेज ऑफ नर्सिंग
- 9. इंदौर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज
- 10. न्यू ऐरा कॉलेज ऑफ नर्सिंग
- 11. पारिजात कॉलेज ऑफ नर्सिंग
- 12. शुभदीप कॉलेज ऑफ नर्सिंग
- 13. केवलश्री इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग
- 14. एल सी एच नर्सिंग एकेडमी
- 15. कान्यकुब्ज नर्सिंग कॉलेज
- 16. समर्पण कॉलेज ऑफ नर्सिंग
- 17. अक्षय एकेडमी कॉलेज ऑफ नर्सिंग
- 18. सफायर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज
- 19. मधुबन कॉलेज ऑफ नर्सिंग
- 20. मदर मैरी कॉलेज ऑफ नर्सिंग
- 21. सेंट फ्रांसिस कॉलेज ऑफ नर्सिंग
- 22. विक्रांत इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड साइंस
- 23. कैंब्रिज इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ नर्सिंग
- 24. कॉम्पफीर्ड्स आइसेक्ट कॉलेज ऑफ नर्सिंग
- 25. प्रत्यांश कॉलेज ऑफ नर्सिंग
- 26. कोर कॉलेज ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल

सदभावना सवाल

सवाल यह है कि 3 वर्षों से विद्यार्थियों की परीक्षा नहीं हुई है जिसके कारण उनके करियर पर बहुत गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। इसका जवाबदार कौन है शासन, कॉलेज संचालक या तथाकथित समाजसेवी जो शिकायतों की पोटली लेकर स्वार्थ सिद्धि हेतु जगह जगह घूमते हैं ? विद्यार्थियो को छात्रवृत्ति न मिलने से कॉलेजों की माली हालत दयनीय है इसके लिए जवाबदार कौन?

यातायात नियमों का उल्लंघन किया तो लाइसेंस होगा निरस्त

इंदौर। इंदौर को यातायात में नंबर वन बनाने की कवायद के तहत बैठक में यह निर्णय भी लिया गया कि नियमों का उल्लंघन करने वाले आदतन वाहन चालकों के खिलाफ सख्ती बरती जाए। महापौर ने बताया-यह बात सामने आई है कि ई-चालान को लेकर लोग गंभीर नहीं हैं। वे ई-चालान जमा ही नहीं करते और नियमों का उल्लंघन करते रहते हैं। ऐसे आदतन लोगों के सख्ती बरती जाएगी। पांच बार यातायात नियमों का उल्लंघन करने और ई-चालान जमा नहीं करने वालों के लाइसेंस निरस्त किए जाएंगे। ऐसे लोगों की सूची भी तैयार कर ली गई है। जल्द ही कार्रवाई भी शुरू कर दी जाएगी।यह बात महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने स्मार्ट सिटी कार्यालय में शुक्रवार को हुई बैठक में कही। बैठक में कलेक्टर आशीष सिंह, आरटीओ प्रदीप कुमार शर्मा सहित कई अधिकारी मौजूद थे। महापौर ने बताया कि बैठक में नेहरू स्टेडियम के स्थान पर नया स्टेडियम निर्माण को लेकर भी चर्चा हुई है। कंसल्टेंट ने जो प्लान दिया है, हमने उसमें कुछ सुझाव और संशोधन दिए हैं। बैठक में वर्षा काल से पहले मध्य क्षेत्र के ड्रेनेज और अन्य कार्य पूरे करने के निर्देश भी दिए गए।गौरतलब है कि शहर के यातायात को सुचारु बनाने के उद्देश्य से करीब एक माह पहले जवाहर मार्ग के संजय सेतु से राजमोहल्ला चौराहा तक के हिस्से और एमजी रोड के बड़ा गणपति से कृष्णपुरा छत्रियों तक के हिस्से को वन-वे घोषित किया था। बावजूद इसके वाहन चालक इसका पालन नहीं कर रहे थे। पुलिसकर्मियों को दिनभर व्यवस्था बनाए रखने के लिए मशक्कत करनी पड़ रही थी। जगह-जगह बेरिकेडिंग कर लोगों को समझाइश भी दी जा रही थी।नगर निगम मुख्यालय की सात दशक से ज्यादा पुरानी इमारत जमींदोज कर उसके स्थान पर कार्पोरेट कार्यालय की तर्ज पर नई इमारत बनाई जाएगी। इस इमारत में अत्याधुनिक लाइब्रेरी और कैंटीन की व्यवस्था भी रहेगी। अधिकारियों के कार्यालय हाईटेक और सुसज्जित होंगे। नई इमारत कितनी मंजिला होगी, यह फिलहाल तय नहीं है लेकिन इतना जरूर होगा कि इसमें निगम कर्मियों और आमजन की सुविधा का पूरा ध्यान रखा जाएगा। जल्दी ही इस संबंध में कंसलटेंट की नियुक्ति की जाएगी। इसके अलावा निगम की अधूरी पड़ी इमारत का बचा हुआ काम भी तेजी से किया जाएगा। भार्गव ने बताया कि मुख्यमंत्री ने भी इंदौर यात्रा के दौरान नगर निगम के लिए अत्याधुनिक भवन की बात कही थी। उन्होंने परिषद सभागृह के लोकार्पण समारोह में निगम को 50 करोड़ रुपये निर्माण के लिए देने की घोषणा भी की थी। मुख्यालय की इमारत दशकों पुरानी होकर जीर्णशीर्ण हो रही है। हर कोई चाहता है कि देश के सबसे स्वच्छ शहर का निगम मुख्यालय अत्याधुनिक हो।

वन विभाग में मची हड़कंप, परिसर गोदाम से लकड़ियां हुई गायब

इंदौर। इंदौर वनमंडल कार्यालय परिसर की जिम्मेदारी पर्यावरण शाखा के पास है। यहां गोदाम, गेस्ट हाउस और अन्य आवास की देखरेख दो से तीन वन कर्मियों के पास है। अक्टूबर में आए वनमंडल अधिकारी सोलंकी ने नवंबर में गोदाम खाली कर व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। गोदाम में कार्रवाई के दौरान जब्त सागवान की सिल्लियां, चंदन की लकड़ियां, आरा कटर, वाहन रखे थे। साथ ही विभाग में टूटी टेबल-कुर्सिया, लोहे की पेटियां भी थी। डीएफओ ने टूटी टेबल-कुर्सियों को ठीक कर कार्यालयीन कार्यों में दोबारा इस्तेमाल करने को कहा। नवरतन बाग स्थित इंदौर वनमंडल परिसर के गोदाम से सामान गायब होने की घटना सामने आई है। ये सामान इंदौर, महू, मानपुर और चोरल रेंज से कार्रवाई के दौरान वन कर्मियों ने जब्त किया था। न्यायालय में प्रकरण होने के चलते सामान को सुरक्षित रखने के लिए गोदाम में रखा हुआ था। इसके बारे में वरिष्ठ अधिकारियों को तब पता चला जब गोदाम में रखे सामान की जांच की गई। इसके बाद पूरे वन मंडल में हड़कंप मचा गया। मामले में डीएफओ महेंद्र सिंह सोलंकी ने कुछ लोगों से पूछताछ की है। गोदाम में रखा सामान भी इन लोगों के घर से मिला है। हालांकि विभाग पूरे मामले को दबाने में लगा है। डीएफओ कार्यालय के पीछे बन रहे स्टोर रूम में लोहे की पेटियों में पुरानी फाइल रखना थी। इसके चलते दो महीने से इन पेटियों की मरम्मत चल रही है। इस बीच गोदाम से कुछ सामान गायब होने की सूचना अधिकारियों को मिली, जिसमें कुछ सागवान की सिल्लियां व चंदन की लकड़ी और आरा कटर बताए गए है। फिलहाल डीएफओ ने पूरे मामले को लेकर जांच बिठाई है। हालांकि कुछ सामान भी बरामद हो चुका है।

प्रशासन ने दी चेतावनी- जांच के दौरान दूध डेयरी पर नहीं मिली फैट मशीन

इंदौर। इंदौर जिले में दूध में मिलावट रोकने के लिए दूध डेयरी पर फैट मशीन रखना अनिवार्य किया गया है। प्रशासन के दल ने शुक्रवार को शहर में 17 दूध डेयरी की जांच की। इस दौरान सिर्फ आठ डेयरी पर ही फैट मशीन पाई गई। जिन नौ दुकानों पर मशीन नहीं मिली, उनके संचालकों को अंतिम चेतावनी दी गई। दूध एवं दूध से बने पदार्थों के 47 नमूने भी लिए। इनको जांच के लिए भेजा खाद्य सुरक्षा अधिकारी की टीम ने छोटा बांगड़दा रोड स्थित जयश्री चरण श्याम दूध डेयरी, मुस्कान डेयरी एवं स्वीट्स, नंदवंश दूध दही भंडार खातीवाला टैंक, स्नेहल डेयरी माणिकबाग रोड, राजनंदनी डेयरी दूध दही भंडार सुखदेव नगर, अखंड भारत मिल्क एंड मिल्क फूड पिपरिया खाल, सांवरिया डेयरी एंड स्वीट्स सिरपुर, सुहाना डेयरी धार रोड, शक्ति डेयरी धार रोड, भेरू भवानी डेयरी धार रोड, श्री देव डेयरी जय श्री नगर, मेहर डेयरी धार रोड, शिव शक्ति डेयरी धार रोड, मधुरम डेयरी धार रोड, गणेश डेयरी धार रोड, श्रीराम डेयरी धार रोड, मनमोहन डेयरी नगीन नगर पर जांच की गई है।

1317 क्षेत्रों में गाइडलाइन बढ़ाने की अनुशंसा

.इंदौर। जिला मुल्यांकन समिति की बैठक कलेक्टर की अध्यक्षता में सुबह शुरू हुई, जिसमें अचल संपत्तियों की आगामी वित्त वर्ष के लिए गाइड लाइन बढ़ाए जाने पर प्रस्ताव जिला पंजीयकों द्वारा सौंपे गए। 10 से लेकर 30 प्रतिशत तक गाइड लाइन में बढ़ोतरी के प्रस्ताव उन क्षेत्रों में तैयार किए गए हैं, जहां चालू वित्त वर्ष में सबसे अधिक रजिस्ट्रियां हुई और गाइड लाइन से अधिक दामों पर भी ये रजिस्ट्रियां करवाई गई। इन क्षेत्रों में नई कालोनियां, टाउनशिप के साथ कई बडे प्रोजेक्ट आ रहे हैं। लगभग 1317 ऐसी लोकेशन चिन्हित की गई है, जहां पर जमीनों की खरीद-फरोख्त और रजिस्ट्रियों की संख्या में इजाफा हुआ है।आगामी वित्त वर्ष में गाइड लाइन कितने प्रतिशत बढ़ाई जाएगी, इसका फैसला हालांकि शासन स्तर पर लिया जाना है। अभी मार्च में लोकसभा चुनाव की घोषणा के साथ आचार संहिता लागू हो जाएगी, ऐसे में संभव है कि शासन चुनाव के चलते गाइड लाइन में बढ़ोतरी न करवाए और फिर 3 महीने बाद जुलाई से नई गाइड लाइन कुछ क्षेत्रों में बढ़ाई जाए। बहरहाल शासन के निर्देश पर पंजीयन विभाग ने गाइड लाइन तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी। इसके चलते आज पहली बैठक बुलाई गई है। बायपास, सुपर कारिडोर, खंडवा रोड के साथ-साथ इंदौर-उज्जैन रोड की कालोनियों में भी सबसे अधिक तेजी बीते एक साल में देखी गई है, जिसके चलते विभाग ने इन क्षेत्रों में हुई रजिस्ट्रियों की जानकारियां एकत्रित की है। इनमें कुछ क्षेत्र ऐसे हैं, जहां पर 10 प्रतिशत तो अन्य क्षेत्रों में 15-20 से लेकर 30 फीसदी तक वृद्धि प्रस्तावित की गई है। वहीं उन क्षेत्रों को भी शामिल किया गया है, जहां पर नए प्रोजेक्ट आ रहे हैं। नगर तथा ग्राम निवेश, जिला प्रशासन और नगर निगम से जिन कालोनियों और टाउनशिपों और प्रोजेक्टों को मंजूरी मिली है, उनकी सूची के आधार पर भी गाइड लाइन का निर्धारण किया जाना है। पंजीयन विभाग का कहना है कि सबसे अधिक तेजी सुपर कारिडोर और उससे लगी जमीनों के साथ-साथ खंडवा रोड, बायपास और उन क्षेत्रों में देखी गई, जहां पर विकास कार्य यानी ओवरब्रिज, सडक़ों और मेट्रो प्रोजेक्ट आ रहे हैं। आज जिला मुल्यांकन समिति की पहली ही बैठक है, जिसमें संशोधित की जाने वाली गाइड लाइन पर चर्चा की जाएगी। यह भी उल्लेखनीय है कि इस साल 2540 करोड़ रुपए का लक्ष्य जुटाना है, जिसमें अभी लगभग 20 फीसदी की कमी है। अभी 1850 करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व अर्जित किया जा चुका है। हालांकि वित्त वर्ष फरवरी के कुछ दिन और मार्च का पूरा महीना बचा है, लगभग डेढ़ लाख दस्तावेजों का पंजीयन भी किया गया। जल्द ही पूर्वी रिंग रोड पर लगाई गई रोक भी हट जाएगी, जिसके चलते रजिस्ट्रियों की संख्या में इजाफा हो जाएगा। अभी इंदौर के मास्टर प्लान के निवेश क्षेत्र में जो 79 गांव जोड़ें गए हैं, उनके अभिन्यासों की मंजूरी में धारा 16 की बाधा कायम है, जिसे शिथिल करने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। इन क्षेत्रों में जैसे ही अनुमतियां मिलेंगी, रजिस्ट्रियों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी होगी। पश्चिमी रिंग रोड के निर्माण में आ रहे 34 गांवों की जमीनों की खरीद-फरोख्त पिछले दिनों रुकवा दी थी, जिसे बाद में कलेक्टर ने शुरू करवाया और उन सर्वे नंबरों को ही छोड़ा गया, जो कि फोरलेन निर्माण के लिए अधिग्रहित की जाना है।

पंजीयन विभाग का कहना है कि वैसे तो 3000 से अधिक ऐसे क्षेत्र चिन्हित किए गए हैं, जहां पर वित्तीय वर्ष में पर्याप्त रजिस्ट्रियां हुई और जमीन की खरीद-फरोख्त भी अच्छी रही है, लिहाजा इनमें अलग-अलग लोकेशन की छंटनी की गई है, जहां पर सबसे अधिक तेजी है और गाइड लाइन से ज्यादा कीमत पर रजिस्ट्रियां हुई, उनमें सर्वाधिक 25 से 30 फीसदी तक बढ़ोतरी का प्रस्ताव दिया गया है, वहीं 400 से अधिक लोकेशन ऐसी है, जहां पर 10 से 15 फीसदी तक बढ़ोतरी हो सकती है।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, रविवार 25 फरवरी , 2024

संपादकीय | अफसरों पर संभल कर टिप्पणी करें नेता

इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि किसी व्यक्ति को उसके पहनावे के आधार पर ऐसी पहचान से जोड़ कर देखा जाए, जिससे उसका दूर-दूर का भी वास्ता न हो और ऐसा करने से उसके लिए कई तरह के जोखिम पैदा हो जाएं। खबरों के मुताबिक, पश्चिम बंगाल में संदेशखाली मामले को लेकर चल रहे विरोध प्रदर्शन के दौरान भाजपा के एक नेता ने वहां मौजूद एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी को सिर्फ इसलिए खालिस्तानी कह दिया कि उसके सिर पर सिख धर्म की पहचान वाली पगड़ी बंधी थी।

स्वाभाविक ही भारतीय पुलिस सेवा के उस अधिकारी ने इस पर आपत्ति जाहिर की कि उस पर कोई धार्मिक टिप्पणी कैसे की जा सकती है और उसकी वेशभूषा की वजह से खालिस्तानी की पहचान से कैसे जोड़ा जा सकता है। यह संभव है कि प्रदर्शनकारियों को पुलिस के रवैये या काम करने के तरीके से शिकायत हो, लेकिन इसके खिलाफ लोकतांत्रिक तरीके से विरोध जताने और उचित मंच पर शिकायत दर्ज कराने के बजाय वैसी पहचान को लक्ष्य करके टिप्पणी करना बिल्कुल गलत है, जिसे एक अलगाववादी समूह के तौर पर देखा जाता हो और उसके बारे में लोगों की राय सकारात्मक नहीं हो।

पिछले कुछ समय से किसी को पहनावे के आधार पर नाहक ही चिह्नित करने की धारणा पल-बढ़ रही है। किसान आंदोलन में शामिल पंजाब के लोगों के बारे में भी पूर्वाग्रहों से भरी टिप्पणियां करने की खबरें आई थीं। ऐसे मामले अगर अक्सर सामने आने लगें तो इससे न सिर्फ कुछ खास पहचान वाले आम लोगों के लिए मुश्किल पैदा होगी, बल्कि ऐसे पूर्वाग्रहों के शिकार लोगों के

भीतर भी अनेक तरह की कुंठाएं और विकृतियां विकसित होने लगेंगी।

अव्वल तो एक खास धार्मिक पहचान से जुड़े पहनावे की वजह से किसी पर इस तरह अंगुली नहीं उठाई जा सकती, जिसका कोई आधार नहीं हो, मगर इसका उस पर कई स्तर पर प्रभाव पड़ता हो ! फिर आवेश में आकर किसी को सिर्फ कपड़े के आधार पर किसी संवेदनशील पहचान से जोड़ देने के सामाजिक असर और कानून से जुड़ी प्रक्रिया के नतीजों की कल्पना की जा सकती है ! ऐसा किसी के लिए भी नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि इसके नतीजे संबंधित व्यक्ति के जीवन पर बहुत गलत असर डाल दे सकते हैं।

सभी धर्म या समुदाय में सकारात्मक कामों को अपना सामान्य जीवन और दायित्व समझने के बरक्स नकारात्मक गतिविधियों में लिप्त कुछ लोग भी होते हैं। अगर किसी समुदाय के चंद लोग प्रतिगामी और गैरकानूनी कामों को अंजाम दे रहे हों, तो उनकी धार्मिक पहचान के अन्य लोगों को उससे जोड़ कर नहीं देखा जा सकता।

सिखों के बीच कुछ लोग अगर अलगाववाद में विश्वास रखते होंगे तो उनसे अलग राय रखने, पीड़ित होने और कई स्तर पर उसका सामना करने वाले लोगों में भी बहुत सारे सिख ही हैं। पश्चिम बंगाल में जिस अधिकारी को लक्षित करके टिप्पणी की गई, वह आधिकारिक रूप से देश के कानूनों को लागू करने की ड्यूटी पर तैनात था।

अगर वह अपने दायित्वों के निर्वहन में जानबूझ कर कोई कमी करे, तब उचित मंच पर और कानून के दायरे में निर्धारित प्रक्रिया के तहत उसका विरोध किया जा सकता है। मगर हैरानी की बात है कि ऐसी टिप्पणियों की गंभीरता और संवेदनशीलता को समझे बिना कई लोग हल्के तरीके से ऐसा बोल जाते हैं, जिससे किसी के लिए जटिल हालात पैदा हो सकते हैं।

सोशल मीडिया से...

कुछ लोगों ने मोदी को गाली देते-देते पूरा एक दशक बिता दिया है। जिनके होश ठिकाने नहीं हैं, वह यूपी और काशी के बच्चों को नशेड़ी कह रहे हैं। उन्हें नहीं पता है कि यूपी का नौजवान नशेड़ी नहीं वह तो विकसित यूपी बनाने में जुटा है।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

उज्जैन सहित पूरे प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्रों को समिट का लाभ मिलेगा। प्रदेश में औद्योगिक विकास की बहुत संभावनाएं हैं। इन्हें साकार किया जाएगा। एक और दो मार्च को उज्जैन की इन्वेस्टर्स समिट के आधार पर पूरे प्रदेश में अलग-अलग क्षेत्र के उद्योगों की स्थापना की संभावनाएं प्रबल होंगी।

डॉ. मोहन यादव, सीएम मप्र

भाजपा सरकार ने चंदा वसूलने के लिए ईडी सीबीआई जैसी जांच एजेंसियों का गलत इस्तेमाल किया है। इसलिए मामले की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की जानी चाहिए। 2018-19 और 2022-23 के बीच भाजपा को लगभग 335 करोड़ रुपए का दान देने वाली कम से कम 30 कंपनियों को केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई का सामना करना पड़ा है।

जयराम रमेश, कांग्रेस नेता

सत्ता हासिल करने के लिए जो वायदे भाजपा और जजपा ने किए थे, उन्हें वे अपने आखिरी बजट में भी पूरे नहीं कर पाए हैं। बुजुर्गों, दिव्यांग व विधवा पेंशन 5100 रुपए न होना, इनकी वादाखिलाफी का सबसे बड़ा उदाहरण है। इस बजट में आंकड़ों की बाजीगिरी के अलावा और कुछ भी नहीं है।

कुमारी सैलजा, पूर्व केंद्रीय मंत्री

आज का कार्टून

कांग्रेस-सपा की यारी, बीजेपी को टक्कर देने की तैयारी

भाजपा पांचों साल चुनाव मोड में रहती है। दूसरे दल चुनाव आने का इंतजार करते हैं तब तक भाजपा के कार्यकर्ताओं को पार्टी इतने कार्यक्रम दे देती है कि वह लगातार जनता के बीच में बने रहते हैं। भाजपा पिछले कई सालों से अपने वोट प्रतिशत को 50 फीसदी के पार करने की तैयारी में जुटी हुई है।मोदी के नेतृत्व में भाजपा उन जातियों तक पहुंचने में सफल रही है, जिनकी कम संख्या के कारण दूसरे दल महत्व नहीं देते हैं। दूसरी तरफ, विपक्षी दल केवल गठबंधन के सहारे चुनाव में बड़ी जीत हासिल करने की कोशिश में हैं। सपा और कांग्रेस जैसी पार्टियां केवल चुनाव के समय जनता का भरोसा हासिल करने की कोशिश करती हैं, जिसमें उन्हें बहुत सफलता नहीं मिल पाती है। कांग्रेस और सपा के बीच 2017 के विधानसभा चुनाव में हुआ गठजोड़ बहुत फलदायी साबित नहीं हुआ था। राज्य की 403 सीटों में सपा ने 298 तथा कांग्रेस ने 105 सीटों पर चुनाव लड़ा था।

अनिल सिंह

उत्तर प्रदेश में काफी उहापोह के बाद आखिरकार इंडिया एलायंस के बैनर तले सपा और कांग्रेस के बीच समझौता हो गया है। कांग्रेस 17 सीटों पर लड़ेगी, बाकी की 63 सीटों पर सपा और गठबंधन में शामिल होने वाले अन्य दल ताल ठोंकेंगे।

उत्तर प्रदेश में यह दूसरी बार होगा, जब कांग्रेस और सपा एक साथ मिलकर किसी चुनाव में उतरेंगे। 2017 का विधानसभा चुनाव भी दोनों पार्टियां साथ मिलकर लड़ी थीं, लेकिन कोई चमत्कार दिखाने में नाकाम रही थीं। उत्तर प्रदेश के वर्तमान समीकरण को समझें तो इस बार भी इस गठबंधन द्वारा बहुत बड़ा चमत्कार करने की संभावना नहीं है, लेकिन यह तय है कि इंडिया एलायंस कुछ सीटों पर एनडीए एलायंस को कड़ी टक्कर जरूर देगा।

आंकड़ों के जरिए इसे समझने की कोशिश करें तो उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के पास इतना जनाधार नहीं बचा है कि वह सपा के साथ मिलकर कोई बड़ा उलटफेर कर सके। कांग्रेस का जनाधार उत्तर प्रदेश में लगातार सिमटता जा रहा है। 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस उत्तर प्रदेश की 67 सीटों पर चुनाव लड़कर 7.53 फीसदी वोटों के साथ केवल रायबरेली और अमेठी सीट जीत पायी थी, जिस पर क्रमशः सोनिया गांधी और राहुल गांधी सांसद बने थे।

2019 के आम चुनाव में कांग्रेस 78 सीटों पर लड़ी, उसे मात्र 6.36 फीसदी वोट मिले, और वह केवल सोनिया गांधी की रायबरेली सीट ही जीत पायी। अमेठी जैसी पारंपरिक सीट पर राहुल गांधी को स्मृति ईरानी के हाथों हार का सामना करना पड़ा।

विधानसभा चुनाव 2022 में कांग्रेस को बड़े चमत्कार की उम्मीद थी, क्योंकि चुनाव की कमान प्रियंका गांधी वाड्रा के हाथों में था। प्रियंका भी लगातार यूपी में सक्रिय रहीं। कांग्रेस ने %लड़की हूं लड़ सकती हूं% से लेकर कई तरह के अभियान चलाये। प्रियंका ने भी कोरोना और हाथरस से लेकर लखीमपुर खीरी तक प्रदेश और केंद्र सरकार को घेरने के लिये सारे घोड़े खोल दिये।

इस दौरान सपा के बजाय कांग्रेस ही प्रमुख विपक्षी दल नजर आने लगी। प्रियंका के नेतृत्व में कांग्रेस ने बिना किसी गठबंधन के 399 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे, लेकिन जब रिजल्ट आया तब पार्टी मुंह के बल जमीन पर जा गिरी। कांग्रेस को मात्र 2.33 फीसदी वोट मिले, जबकि वह केवल दो सीटें ही जीत पायी।

दूसरी तरफ समाजवादी पार्टी के पास अब अकेले इतना जनाधार नहीं बचा है कि वह भाजपा के मत प्रतिशत तक पहुंच सके। अखिलेश यादव के नेतृत्व में सपा ने चुनावों में कई प्रयोग किये, लेकिन वह भाजपा से पार नहीं पा सकी। उत्तर प्रदेश में सबसे जिताऊ कंबिनेशन सपा और बसपा गठबंधन को माना जाता था, लेकिन 2019 के चुनाव में यह गठबंधन भी भाजपा के विजय रथ को नहीं रोक पाया।

इस गठबंधन ने भाजपा की कुछ सीटें कम जरूर कीं, लेकिन जिस चमत्कार की उम्मीद राजनीतिक गलियारों में लगायी जा रही थी, वैसा कुछ नहीं हुआ। 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा-बसपा साथ

मिलकर चुनाव लड़े और केवल 15 सीटों पर ही जीत हासिल कर पाये। बसपा को 10 और सपा को 5 सीट मिली। वोट प्रतिशत की बात करें तो 2019 के चुनाव में भाजपा 49.97 फीसदी वोट के साथ 62 सीटें जीतने में सफल रही। भाजपा की सहयोगी अपना दल को भी 2 सीटें मिलीं। सपा और बसपा गठबंधन को मात्र 37.5 फीसदी वोट से संतोष करना पड़ा। सपा को 18.1 फीसदी वोट शेयर के साथ 5 सीटें मिलीं तो बसपा ने 19.4 फीसदी वोट शेयर के साथ 10 सीटों पर कब्जा जमाया।

ऐसे में, सपा और कांग्रेस गठबंधन से यह उम्मीद करना कि कोई बहुत बड़ा चमत्कार कर देंगे, नादानी ही होगी। केवल गठबंधन से चत्मकार होते तो 2019 में भाजपा को इतनी बड़ी जीत नहीं मिलती। जीत के लिये मतदाता का भरोसा जीतना ज्यादा जरूरी होता है। भाजपा की रणनीति देखें तो वह एक चुनाव खत्म होते ही अगले चुनाव की तैयारी में जुट जाती है।

भाजपा पांचों साल चुनाव मोड में रहती है। दूसरे दल चुनाव आने का इंतजार करते हैं तब तक भाजपा के कार्यकर्ताओं को पार्टी इतने कार्यक्रम दे देती है कि वह लगातार जनता के बीच में बने रहते हैं। भाजपा पिछले कई सालों से अपने वोट प्रतिशत को 50 फीसदी के पार करने की तैयारी में जुटी हुई है।

मोदी के नेतृत्व में भाजपा उन जातियों तक पहुंचने में सफल रही है, जिनकी कम संख्या के कारण दूसरे दल महत्व नहीं देते हैं। दूसरी तरफ, विपक्षी दल केवल गठबंधन के सहारे चुनाव में बड़ी जीत हासिल करने की कोशिश में हैं। सपा और कांग्रेस जैसी पार्टियां केवल चुनाव के समय जनता का भरोसा हासिल करने की कोशिश करती हैं, जिसमें उन्हें बहुत सफलता नहीं मिल पाती है।

कांग्रेस और सपा के बीच 2017 के विधानसभा चुनाव में हुआ गठजोड़ बहुत फलदायी साबित नहीं हुआ था। राज्य की 403 सीटों में सपा ने 298 तथा कांग्रेस ने 105 सीटों पर चुनाव लड़ा था। दोनों दलों को मिलाकर 28 फीसदी वोट मिले। सपा को 21.8 तथा कांग्रेस को 6.2 फीसदी मत हासिल हुआ।

इसके विपरीत एनडीए गठबंधन को 41.4 फीसदी वोट मिले, जिसमें 39.7 फीसदी वोट अकेले भाजपा को हासिल हुए थे। 2017 में ओमप्रकाश राजभर की सुभासपा एनडीए गठबंधन की हिस्सा थी। 2022 के विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव ने नया प्रयोग करते हुए किसी बड़े दल की बजाय छोटे दलों को महत्व दिया और जयंत चौधरी, ओम प्रकाश राजभर, पल्लवी पटेल, केशव देव मौर्य के साथ गठबंधन किया।

इसके कारण 2022 के चुनाव में सपा अपना वोट दस फीसदी बढ़ाने में सफल रही। इसके बावजूद योगी आदित्यनाथ को दोबारा सरकार बनाने से नहीं रोक सकी। सपा ने 2017 के 21.8 फीसदी मत के मुकाबले 2022 में 31.5 फीसदी मत प्राप्त किया। सपा गठबंधन को 39 फीसदी के करीब मत मिले, लेकिन भाजपा का मत प्रतिशत पिछले चुनाव के 39.7 फीसदी से बढ़कर 41.8 फीसदी तक पहुंच गया। 2022 में सपा के साथ रहे रालोद और सुभासपा 2024 में एनडीए गठबंधन के हिस्से बन चुके हैं। सपा के साथ मिलकर विधानसभा चुनाव में उतरे रालोद को 3.08 तथा सुभासपा को 1.03 फीसदी मत मिले थे।

यूपी की तीसरी ताकत बसपा लगातार कमजोर होती जा रही है, जिसका एक बड़ा हिस्सा भाजपा की तरफ तथा कुछ हिस्सा सपा की तरफ खिसक रहा है। इस बार बसपा ने अकेले मैदान में उतरने का ऐलान किया है। जाहिर है, ऐसे में भाजपा गठबंधन से सीधा मुकाबला इंडिया गठबंधन ही करेगा। इंडिया गठबंधन के लिए राहत की बात केवल इतनी है कि इस बार मुस्लिम वोटों में बिखराव नहीं होगा।

मुसलमानों के सामने सपा और कांग्रेस के रूप में दो विकल्प नहीं बल्कि एक विकल्प है, इसलिए यह तय है कि मुस्लिम बहुल सभी सीटों पर इंडिया एलायंस भाजपा को कड़ी टक्कर देगा। दूसरी तरफ, भाजपा को जाट बहुल सीटों पर इससे फायदा मिलेगा। भाजपा के खिलाफ कोई एंटी इनकंबैंसी नहीं है, लेकिन कई सीटों पर स्थानीय सांसदों से जनता नाराज है। ऐसी सीटों पर अगर प्रत्याशी नहीं बदले गये तो निश्चित रूप से इसका फायदा कांग्रेस और सपा गठबंधन को मिल सकता है। फिर भी सबसे बड़ा सवाल यही है कि जीत का मार्जिन तय करने के लिये सपा और कांग्रेस जनाधार कहां से तलाशेंगे और भाजपा के 50 फीसदी वोटों के पार कैसे जायेंगे

अमरीका ने ईराक को किया तबाह!

अमरीका को ईरान के साथ सैन्य नहीं बल्कि राजनीतिक और कूटनीतिक तरीके से निपटना चाहिए। विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यू.एफ.पी.) के अनुसार, वर्तमान में ईराक की आबादी 44 मिलियन है, जिसमें से 1.2 मिलियन लोग संघर्ष के कारण आंतरिक रूप से विस्थापित हैं और 2.5 मिलियन लोगों को भोजन और आजीविका सहायता की सख्त जरूरत है। ईराक में लगभग 2,47,000 सीरियाई शरणार्थी भी हैं। राष्ट्रीय गरीबी दर 31.7 प्रतिशत है, जिसमें भूख से पीड़ित अधिकांश बच्चे हैं।

अदीब कासिम

पिछले महीने, फिलिस्तीनियों के इसराईली नरसंहार का विरोध करने वाले ईराकी मिलिशिया समूहों ने ईराक में तैनात अमरीकी सैनिकों पर हमला किया था और अमरीका ने ड्रोन हमलों के साथ जवाबी कार्रवाई की थी।

पिछले महीने, फिलिस्तीनियों के इसराईली नरसंहार का विरोध करने वाले ईराकी मिलिशिया समूहों ने ईराक में तैनात अमरीकी सैनिकों पर हमला किया था और अमरीका ने ड्रोन हमलों के साथ जवाबी कार्रवाई की थी। हाल ही में ईराक से सभी अमरीकी सैनिकों को वापस बुलाने को लेकर बातचीत फिर से शुरू हुई है। लेकिन सबसे पहले सोचने वाली बात यह है कि अमरीकी सैनिक ईराक में क्या कर रहे हैं? और क्या उन्हें वहां रहने का अधिकार है?

अमरीकी अधिकारियों ने ईराक पर चल रहे कब्जे के लिए अन्य कारणों के साथ-साथ 'क्षेत्र के प्रति प्रतिबद्धता का प्रदर्शन' भी पेश किया है। हालांकि, अमरीका ने ईराकी क्षेत्र के प्रति जो एकमात्र 'प्रतिबद्धता' दिखाई है, वह हिंसा, रेत और तेल एकाधिकार के प्रति प्रतिबद्धता

है। ईराक में अमरीकी सेना स्वदेशी ईराकी बहुमत के साथ प्रभुत्व के संबंध में विदेशी आक्रमणकारियों की अल्पसंख्यक बनी हुई है। वर्चस्व का इस प्रकार का संबंध ही उपनिवेशवाद का गठन करता है।

अमरीकी रक्षा विभाग ने वर्तमान में ईराक में तैनात अमरीकी सैनिकों की सटीक संख्या का खुलासा नहीं किया है, लेकिन 2021 में उन्होंने बताया कि लगभग 2,500 कर्मी वहां तैनात हैं। अमरीकी सरकार का दावा है कि वे वहां सबसे पहले आई.एस.आई. एस. के खिलाफ चल रहे युद्ध में ईराकी सशस्त्र बलों को प्रशिक्षित करने और सलाह देने के लिए गैर-लड़ाकू सलाहकार की भूमिका में हैं और दूसरा क्षेत्र में ईरान के प्रभाव को कम करने के लिए हैं। लेकिन आई.एस.आई.एस. का उदय केवल अमरीका द्वारा इस क्षेत्र को अस्थिर करने से संभव हुआ और अमरीका ने 2003 में सद्दाम हुसैन को मार डाला, जिसका उन्होंने 1990 में कुवैत पर आक्रमण से पहले क्षेत्र में ईरान के प्रभाव को कम करने के लिए समर्थन किया था।

अमरीका को ईरान के साथ सैन्य नहीं बल्कि राजनीतिक और कूटनीतिक तरीके से निपटना चाहिए। विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यू.एफ.पी.) के अनुसार, वर्तमान में ईराक की आबादी 44 मिलियन है, जिसमें से 1.2 मिलियन लोग संघर्ष के कारण आंतरिक रूप से विस्थापित हैं और 2.5 मिलियन लोगों को भोजन और आजीविका सहायता की सख्त जरूरत है। ईराक में लगभग 2,47,000 सीरियाई शरणार्थी भी हैं। राष्ट्रीय गरीबी दर 31.7 प्रतिशत है, जिसमें भूख से पीड़ित अधिकांश बच्चे हैं।

'सेव द चिल्ड्रन' के अनुसार, ईराक की लगभग 60 प्रतिशत आबादी 25 वर्ष से कम उम्र की है, 2 से 4 साल के बीच के लगभग 56 प्रतिशत बच्चे प्रारंभिक बचपन की शिक्षा तक नहीं पहुंच पाते हैं, और केवल 44 प्रतिशत उच्च माध्यमिक शिक्षा पूरी करने में सक्षम हैं। इसके अलावा, अधिकांश बच्चे जो स्कूल पूरा करने में सक्षम हैं, उन्हें देश की अत्यधिक गरीबी के कारण पुरस्कृत रोजगार या आजीविका के अवसर नहीं मिल पाते हैं। ईराक में यूनिसेफ की पूर्व वरिष्ठ प्रतिनिधि अनुपमा राव सिंह ने 2000 में कहा था कि 1989 से 1999 तक, ईराक को जीवन स्तर में अद्वितीय गिरावट का सामना करना पड़ा। '1989 में, साक्षरता दर 95 प्रतिशत थी, और 93 प्रतिशत आबादी मुफ्त आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच बनाती थी। अपने बच्चों को स्कूल न भेजने पर माता-पिता पर जुर्माना लगाया गया। सड़क पर रहने वाले या भीख मांगने वाले बच्चों की घटना अनसुनी थी।

ईराकियों की भलाई 1991 में ऑपरेशन डैजर्ट स्टॉर्म के साथ अचानक समाप्त हो गई, जो अमरीका के नेतृत्व में 6 सप्ताह का सैन्य अभियान था, जिसके दौरान 88,000 टन बम, लगभग सात हिरोशिमा-आकार के परमाणु बमों के बराबर, ईराक पर गिराए गए थे। अमरीका ने ईराक में सत्ता के जिन स्वरूपों और संप्रभुता के तरीकों को सामान्यीकृत किया, उनमें घेराबंदी युद्ध, मिश्रित युद्ध और औपनिवेशिक कब्जा शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

सार्वजनिक परिवहन में यात्रा के लिएप्रीपेड कार्ड से कर सकेंगे भुगतान, आरबीआई ने दी अनुमति

नईदिल्ली, एजेंसी। आरबीआई ने शुक्रवार को बैंकों व गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थानों को सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों के लिए भुगतान को लेकर पीपीआई (प्रीपेड कार्ड) जारी करने की अनुमति दी। इससे लोगों के लिए सार्वजनिक परिवहन में यात्रा करना आसान हो जाएगा। पीपीआई या प्रीपेड कार्ड के तहत भुगतान पहले कर दिया जाता है। इनके आने से यात्रियों के पास किराया देने के लिए नकद भुगतान के अलावा अन्य विकल्प होंगे। आरबीआई ने एक अधिसूचना में कहा, यह साधन यात्रियों को आवागमन सेवाओं के लिए सुरक्षित, सुविधाजनक और तेज डिजिटल भुगतान की सुविधा देगा। देशभर में सार्वजनिक परिवहन प्रणालियां हर दिन बड़ी संख्या में यात्रियों को सेवाएं देती हैं। सरकार ने जीएसटी नेटवर्क को पंजीकृत कारोबारों की सहमति पर उनके आंकड़े आरबीआई के 'पब्लिक टेक प्लेटफॉर्म फॉर फ्रिक्शनलेस क्रेडिट' के साथ साझा करने की अनुमति दे दी है। इस कदम से कारोबारी इकाइयों को जीएसटी से संबंधित साझा जानकारी के आधार पर तेजी से कर्ज पाने में मदद मिलेगी।

दिल्ली हाईकोर्ट की ओप्पो को चेतावनी, रॉयल्टी का करें भुगतान वरना बिक्री होगी बैन

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने ओप्पो को इंटरडिजिटल के लिए बकाया सभी रॉयल्टी जमा कराने का निर्देश दिया है और यदि वह ऐसा नहीं करती है तो भारत में उसके द्वारा डिवाइस की बिक्री प्रतिबंधित की जा सकती है। न्यायालय ने ओप्पो पर पांच लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। दुनियाभर में मोबाइल डिवाइस, नेटवर्क और सेवाओं के लिए वायरलेस और वीडियो टेक्नोलॉजी मुहैया कराने वाली इंटरडिजिटल द्वारा दायर याचिका में कहा गया कि ओप्पो ने उसके 3जी, 4जी और 5जी स्टैंडर्ड एसेंशियल पेटेंट्स (एसईपी) का उल्लंघन किया था। न्यायमूर्ति प्रतिभा सिंह ने कहा, 'प्रतिवादी को वर्ष 2021-22, 2022-23, 2023-24 के लिए पिछली सभी बिक्री से संबंधित राशि इस अदालत के रजिस्ट्रार जनरल के पास तीन महीने के अंदर जमा करानी चाहिए। इस राशि को ऑटो-रिन्यूअल मोड पर ब्याज वाली सावधि जमा में रखा जाएगा।' न्यायालय ने कहा कि ऐसा नहीं किए जाने पर इंटरडिजिटल को अदालती आदेशों के गैर-अनुपालन की वजह से इंटरडिजिटल को भारत में ओप्पो द्वारा किसी भी अन्य डिवाइस की बिक्री पर रोक लगाने की मांग करते हुए अदालत के समक्ष एक आवेदन दायर करने का अधिकार है। कोर्ट ने आदेश दिया कि ट्रायल इस साल के अंत तक पूरा हो जाना चाहिए वरना ओप्पो को अतिरिक्त रकम चुकानी पड़ेगी। न्यायमूर्ति सिंह ने कहा, 'मामले में सुनवाई 2024 में पूरी हो जानी चाहिए। यदि दिसंबर 2024 तक किसी कारण सुनवाई पूरी नहीं होती है तो प्रतिवादियों को 31 मार्च 2025 तक रजिस्ट्रार जनरल के पास अतिरिक्त रकम जमा करानी होगी।' पिछले साल ओप्पो को नोकिया के साथ विवाद में इंटरिम सिक्युरिटी चुकाने का निर्देश दिया गया था।

टाटा इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयर ने लगातार 7 दिन तक दिया तगड़ा रिटर्न, अभी और बढ़ेगा भाव!

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के शेयरों में तेजी पर शुक्रवार को ब्रेक लग गया। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यह शेयर 2.28 प्रतिशत गिरकर 6814.05 रुपये पर बंद हुआ। इससे पहले लगातार सात दिन तक शेयर में तेजी रही। सात कारोबारी दिनों में इसमें 36.15 फीसदी की तेजी आई है। बता दें कि गुरुवार को शेयर 9.86 प्रतिशत उछलकर एक साल के उच्चतम स्तर 7,115 रुपये पर पहुंच गया था। इस शेयर ने पिछले एक साल में लगभग 250 प्रतिशत की तेजी के साथ मल्टीबैगर रिटर्न दिया है।

स्टॉक एक्सचेंज बीएसई और एनएसई ने टाटा इन्वेस्टमेंट की सिक्योरिटीज को लॉन्ग टर्म एएसएम (अतिरिक्त निगरानी उपाय) स्ट्रक्चर के तहत सूचीबद्ध किया है। निवेशकों के हित को ध्यान में रखकर शेयर को शॉर्ट या लॉन्ग टर्म एएसएम स्ट्रक्चर में डाला जाता है।

कैसे रहे दिसंबर तिमाही के नतीजे

इस बीच, टाटा इन्वेस्टमेंट ने दिसंबर तिमाही के दौरान नेट प्रॉफिट में 54.19 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है। इस तिमाही में प्रॉफिट 53.24 करोड़ रुपये है, जबकि एक साल पहले वित्त वर्ष में यह 34.53 करोड़ रुपये था। तिमाही के दौरान परिचालन से राजस्व 37.66 करोड़ रुपये से 34.23 प्रतिशत बढ़कर 50.55 करोड़ रुपये हो गया।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

आनंद राठी शेयर्स और स्टॉक ब्रोकर्स के जिगर एस पटेल ने कहा, शेयर को समर्थन 6700 रुपये पर होगा और ब्रेकआउट 7000 रुपये पर होगा। यह शेयर 7200 रुपये तक बढ़ सकता है। एक महीने के लिए ट्रेडिंग रेंज 6,500 रुपये से 7,300 रुपये के बीच होगी। वहीं, टिप्स2ट्रेड्स के एआर रामचंद्रन ने कहा कि टाटा इन्वेस्टमेंट में तेजी है, लेकिन डेली चार्ट पर 7,663 रुपये पर अगले ब्रेकआउट के साथ बहुत अधिक खरीदारी है। डीआरएस फिनवेस्ट के संस्थापक रवि सिंह ने कहा कि डेली चार्ट पर स्टॉक मजबूत दिख रहा है। इस शेयर के 7,500 रुपये के टारगेट तक पहुंचने की क्षमता है। स्टॉप लॉस 6,500 रुपये पर रखें। टाटा संस द्वारा प्रवर्तित, टाटा इन्वेस्टमेंट भारतीय रिजर्व बैंक के साथ रजिस्टर्ड एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी है। पहले इसका नाम द इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया था। कंपनी मुख्य रूप से इक्विटी शेयरों और इक्विटी से संबंधित सिक्योरिटीज जैसे लॉन्ग टर्म निवेश में शामिल है। दिसंबर 2023 तक कंपनी में प्रमोटरों की 73.38 फीसदी हिस्सेदारी थी।

एमपीपीएससी ने परीक्षा की तारीख बढ़ाई आगे

इंदौर. मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग यानि एमपीपीएससी ने एक अहम परीक्षा के लिए उम्मीदवारों को एक और मौका देने का फैसला किया है। पीएससी ने राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2023 में शामिल होने का एक और मौका दिया है। इसके लिए आयोग ने लिंक खोली है जिसमें आज आवेदन किए जा सकेंगे। तकनीकी दिक्कतों से कई उम्मीदवार फॉर्म जमा नहीं कर पाए थे। अभ्यर्थी आवेदन का एक और मौका देने की मांग कर रहे थे। आयोग ने 23 से 25 फरवरी तक आवेदन के लिए विंडो खोली है। एक तरफ याचिकाकर्ता रूपेश कुमार ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। उन्होंने एडीपीओ की परीक्षा के चार प्रश्नों के गलत होने का दावा किया है। ग्वालियर हाईकोर्ट की एकल पीठ ने सहायक अभियोजन अधिकारी (एडीपीओ) भर्ती परीक्षा में गलत प्रश्न के मामले में सुनवाई करते हुए कहा कि एमपी-पीएससी का पुराना रिकॉर्ड गलती का रहा है। प्रश्न पत्र सेट करते वक्त विशेषज्ञ क्या देखते हैं, एक अभ्यर्थी के भविष्य का सवाल है। इसलिए पीएससी बताए कि अभ्यर्थी साक्षात्कार के लिए योग्य था या नहीं। 28 फरवरी को याचिका की फिर सुनवाई होगी।

मैकडॉनल्ड्स के आउटलेट में नकली चीज

महाराष्ट्र के अहमदनगर में स्थित मैकडॉनल्ड्स के आउटलेट पर हुई कार्रवाई

नईदिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी बर्गर चेन रेस्टोरेंट मैकडोनाल्ड्स पर महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने बड़ा एक्शन लिया है। महाराष्ट्र के अहमदनगर में स्थित मैकडॉनल्ड्स के आउटलेट पर ये कार्रवाई की गई है। इस आउटलेट में मैकडॉनल्ड्स के बर्गर में रियल चीज की जगह फेक चीज का इस्तेमाल होता पाया गया है। एफडीए ने इस मामले में कंपनी को फटकार लगाई है। एफडीए के निरीक्षण में पता चला कि प्रोडक्ट्स में जिस चीज को लिखा है वो इंग्रीडिएंट इस प्रोडक्ट में नही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस आउटलेट में चीज के नाम पर ग्राहकों से ठगी की जा रही थी। इसके अलावा नियमों का पालन नहीं करने के लिए मैकडॉनल्ड्स को दोषी ठहराया है। एफडीए ने अहमदनगर में मैकडॉनल्ड्स आउटलेट का लाइसेंस निलंबित कर दिया है। आरोप है कि मैकडॉनल्ड्स ने सही जानकारी दिए बिना पनीर एनालॉग्स का इस्तेमाल किया, जिससे ग्राहक यह सोचकर गुमराह हुए कि वे असली पनीर खा रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, पनीर एनालॉग्स को पारंपरिक डेयरी पनीर के स्वाद और बनावट को दोहराने के लिए डिज़ाइन किया गया है। एफडीए का दावा है कि मैकडॉनल्ड्स खाद्य लेबल या इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्ले बोर्ड पर पनीर एनालॉग्स के उपयोग का खुलासा करने में असफल रहा है। इससे ग्राहकों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंच सकता है। इस आउटलेट में निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को कहीं भी पनीर के एनालॉग्स का कोई उल्लेख नहीं मिला। चीज़ नगेट्स, चीज़ी डिप और चीज़बर्गर जैसी वस्तुओं को पनीर होने का संकेत दिए बिना इस तरह लेबल किया जा रहा था। फूड रेगुलेटर ने कहा कि कंपनी ने लोगों को गुमराह किया, इसलिए कार्रवाई की गई है।

बजट बाद रॉकेट की तरह बढ़ा एनर्जी शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। बीते एक फरवरी को अंतरिम बजट के बाद भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड (इरेडा) के शेयरों में तूफानी तेजी आई थी। इस तेजी की बदौलत शेयर 6 फरवरी 2024 को 215 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। यह शेयर के अब तक का हाई लेवल भी है। हालांकि, इसके बाद से शेयर में गिरावट का दौर शुरू हुआ और अब अपने ऑल टाइम हाई से 26 फीसदी टूट चुका है।

शुक्रवार को आई गिरावट

बीते शुक्रवार को इरेडा के शेयर में 5 प्रतिशत की गिरावट आई। बीएसई पर इरेडा के शेयर 167.75 रुपये के पिछले बंद स्तर के मुकाबले 5 प्रतिशत गिरकर 159.40 रुपये पर आ गए। बता दें कि 29 नवंबर 2023 को आईपीओ की शेयर बाजार में लिस्टिंग हुई थी और इस शेयर का 52 वीक लो 49.99 रुपये है।

एक्सपर्ट की राय

ब्रोकरेज प्रभुदास लीलाधर शिजू कूथुपालक्कल ने कहा- स्टॉक ने डेली चार्ट पर 185 रुपये क्षेत्र के पास निचले स्तर पर ब्रेकआउट देखा है। हालांकि अब भी इसमें पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। हम उम्मीद करते हैं कि एक बार 154 रुपये के स्तर पर रहने के बाद शेयर 185 रुपये के स्तर तक जा सकता है। टिप्स2ट्रेड्स के अभिजीत के मुताबिक इरेडा स्टॉक की कीमत डेली चार्ट पर 186 रुपये पर मजबूत प्रतिरोध के साथ मंदी की ओर है। यह शेयर 124 रुपये के स्तर तक लुढ़क सकता है।

इरेडा के तिमाही नतीजे

इरेडा का नेट प्रॉफिट दिसंबर तिमाही में 67 प्रतिशत बढ़कर 335.54 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी के लोन बुक में वृद्धि और नेट एनपीए में साल-दर-साल 2.03 प्रतिशत से 1.52 प्रतिशत की भारी कमी के कारण प्रॉफिट में उछाल आया। तीसरी तिमाही में परिचालन से राजस्व 44.21 प्रतिशत बढ़कर 1,253.20 करोड़ रुपये हो गया। पिछले साल की इसी तिमाही में यह 868.98 करोड़ रुपये था।

बता दें कि इरेडा के आईपीओ का प्राइस बैंड 460 शेयरों के लॉट साइज के साथ 30-32 रुपये प्रति शेयर था। आईपीओ 21 नवंबर से 23 नवंबर तक बोली के लिए खुला था। इसका स्टॉक बीएसई और एनएसई पर इश्यू प्राइस से 56.25 प्रतिशत प्रीमियम पर सूचीबद्ध किया गया था।

अमेरिका में नौकरी छोड़कर शुरू किया कारोबार, 30 साल की उम्र में बना दी 100 करोड़ की कंपनी

नईदिल्ली, एजेंसी। अगर किसी काम को करने की ठान ली जाए और पूरी कोशिश की जाए तो सफलता जरूर मिलती है। दुनिया में ज्यादातर लोगों का सपना पढ़ाई करने के बाद अच्छी नौकरी करने का होता है। अगर नौकरी विदेश में हो और सैलरी भी अच्छी-खासी मिल रही हो तो उसे कोई छोड़ना नहीं चाहेगा। लेकिन कुछ लोग ऐसे भी हैं जो अपना स्टार्टअप शुरू करने के लिए इन शानदार पैकेज वाली नौकरियों को छोड़ने से भी पीछे नहीं हटते हैं। ऐसा ही कुछ कर दिखाया है अहाना गौतम ने। राजस्थान के भरतपुर की रहने वाली अहाना ने खुद का स्टार्टअप शुरू करने के लिए अपनी नौकरी छोड़ दी थी। आज अपनी मेहनत के दम पर उन्होंने 30 साल की उम्र में 100 करोड़ की कंपनी बना दी है। आज वह बिजनेस की दुनिया में जाना-पहचाना नाम बन गई हैं।

जब अहाना अमेरिका में थी, तब उनका वजन बहुत बढ़ गया था। इसी दौरान वे अमेरिका में एक हेल्दी फूड बनाने वाले स्टोर में गई, जहां उन्हें हेल्दी फूड की ज़रूरत समझ में आई। इसी से उन्हें बिजनेस का आईडिया आया। बस फिर क्या था अहाना ने हेल्दी स्नैक्स के बिजनेस को शुरू करने का फैसला कर लिया। अमेरिका के नौकरी छोड़कर अहाना ने भारत की फ्लाइट पकड़ ली। अहाना को अपने इस बिजनेस वेंचर को शुरू करने के लिए उन्हें अपनी मां से भी मदद मिली। साल 2019 में अहाना ने ओपन सीक्रेट स्टार्टअप शुरू किया था।

अहाना एफएमसीजी सेक्टर में काम कर चुकी थी, इसलिए रिफाइंड शुगर, मैदा आदि के बारे में जानती थीं। अहाना ने तय किया कि उनके बनाये प्रोडक्ट में ना मैदा होगा, ना ही पाम आयल और ना ही कोई प्रिज़रवेटिव होंगे। अहाना गौतम की फाउंडर और सीईओ के तौर पर की गई मेहनत की बदौलत ओपन सीक्रेट आज एक ऐसा नाम है, जिसकी पहचान देश ही नहीं बल्कि विदेशों तक भी है। इस कंपनी ने इंडियन स्टार्टअप्स में ग्लोबल स्टेज पर नाम कमाने का माद्दा होने की भी झलक सबको दिखाई है। तीन सालों में उन्होंने अपनी कंपनी की वैल्यूएसन 100 करोड़ रुपये पर पहुंच दी। छोटे से आइडिया से उन्होंने बड़ा कारोबार खड़ा कर दिया।

आईआईटी बॉम्बे से की पढ़ाई

राजस्थान के भरतपुर की रहने वाली अहाना ने साल 2010 में आईआईटी बॉम्बे से केमिकल इंजीनियरिंग में बीटेक की डिग्री हासिल की है। इसके बाद वे आगे की पढ़ाई के लिए अमेरिका चली गयी और वहां उन्होंने हार्वर्ड बिज़नेस स्कूल में दाखिला लेकर एमबीए की पढ़ाई पूरी की। अहाना ने अपने ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन के दौरान उन्होंने कई जगह नौकरियां की।

एनर्जी कंपनी ने शुरू किया सोलर प्रोजेक्ट, योगी सरकार से मिला था काम, 119 शेयर की कीमत

नईदिल्ली, एजेंसी। एनर्जी सेक्टर से जुड़ी कंपनी एसजेवीएन की सब्सिडयरी ने उत्तर प्रदेश में सोलर एनर्जी के प्रोजेक्ट को शुरू कर दिया है। इस खबर के बीच एसजेवीएन के शेयर शुक्रवार को लुढ़क कर बंद हुए। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन एसजेवीएन के शेयर की क्लोजिंग 119 रुपये पर हुई। यह शेयर एक दिन पहले के मुकाबले 2.10 प्रतिशत लुढ़क कर बंद हुआ। बता दें कि शेयर की पिछली क्लोजिंग 121.55 रुपये पर हुई थी। शेयर ने इसी 5 फरवरी को 170.45 रुपये के 52 वीक हाई को टच किया था। छह महीने की अवधि में यह शेयर 105 फीसदी और एक साल की अवधि में 276 फीसदी का रिटर्न दे चुका है। शेयर का 52 वीक लो 30.39 रुपये है। एसजेवीएन ने शुक्रवार को कहा कि उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडयरी कंपनी ने उत्तर प्रदेश के कानपुर में स्थित गुजराई सोलर एनर्जी प्रोजेक्ट को चालू कर दिया है और कॉमर्शियल ऑपरेशन की तारीख (सीओडी) हासिल कर ली है। बता दें कि एसजेवीएन की सब्सिडयरी का नाम एसजेवीएन ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एसजीईएल) है। इस कंपनी ने अपनी 50 मेगावाट की गुजराई सोलर एनर्जी प्रोजेक्ट को चालू और सीओडी हासिल कर लिया है। एसजेवीएन लिमिटेड ने कहा कि कंपनी ने प्रतिस्पर्धी टैरिफ बोली के माध्यम से 2.98 प्रति यूनिट की दर पर 50 मेगावाट क्षमता की सोलर एनर्जी प्रोजेक्ट जीती है, जो उत्तर प्रदेश सरकार के नवीन और नवीकरणीय विकास एजेंसी (यूपीएनईडीए) द्वारा आयोजित की गई थी।

इस प्रोजेक्ट की लागत 281 करोड़ है, और इसके लिए एसजेवीएन ग्रीन एनर्जी और उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) के बीच 25 वर्षों के लिए एक बिजली खरीद समझौते (पीपीए) पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

प्रोजेक्ट का असर- एसजेवीएन ने कहा कि सोलर प्रोजेक्ट अपने पहले वर्ष में 107 मिलियन यूनिट (एमयू) अपग्रेड करने में सक्षम होगी, जिसमें 25 वर्षों की अवधि में लगभग 2,477 एमयू की अनुमानित एनर्जी प्रोडक्शन होगा। कंपनी 2030 तक 25,000 मेगावाट और 2040 तक 50,000 मेगावाट के अपने साझा विजन को हासिल करने के लिए प्रगति पर है।

डेढ़ लाख से ज्यादा आवेदन होने पर होगी ऑफलाइन एग्जाम

सीयूईटी यूजी 2024 के रजिस्ट्रेशन शुरू होने का इंतजार बड़ी संख्या में इसके मुताबिक जिन विषयों के लिए बड़ी संख्या में आवेदन आएंगे जैसे कि डेढ़ लाख या इससे ज्यादा, उनके लिए एग्जाम ऑफलाइन आयोजित किया जाएगा. पहले ये खबर आयी थी कि इस साल से परीक्षा ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोड में आयोजित होगी. अब टीओआई की रिपोर्ट के मुताबिक ताजा अपडेट ये है कि जिन विषयों के लिए डेढ़ लाख से ज्यादा एप्लीकेंट्स होंगे, वे ऑफलाइन आयोजित करायी जाएंगी

एक ही शिफ्ट में होगा एग्जाम

सीयूईटी से जुड़ी दूसरी खबर ये है कि ज्यादातर पेपर एक ही शिफ्ट में आयोजित होंगे. इससे नॉर्मलाइजेशन प्रोसेस की जरूरत नहीं पड़ेगी. इसकी जरूरत तब होती है जब मल्टी-सेशन एग्जाम होता है. पहले खबर ये थी की परीक्षा हाइब्रिड यानी ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों मोड में आयोजित होगी. अब साफ हो गया है कि किन विषयों के लिए ऐसा किया जा सकता है. संभावना है कि इसी हफ्ते परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन और बाकी डिटेल फाइनल हो जाएं. सीयूईटी एडवाइजरी कमेटी के एक्सपर्ट जिसमें सेंट्रल यूनिवर्सिटी के रिप्रेजेंटेटिव, यूजीसी के और एनटीए के अधिकारी शामिल हैं, मीटिंग करके चीजें फाइनल कर सकते हैं.एनटीए की मानें तो इस महीने के अंत में रजिस्ट्रेशन शुरू हो सकता है. परीक्षा तारीखें पहले ही जारी हो गई थी जिसके मुताबिक 15 से 31 मई 2024 के बीच एग्जाम आयोजित किया जाएगा।

Adani hints at collaborations with Uber after meeting CEO Khosrowshahi

Billionaire Gautam Adani on Saturday met Uber CEO Dara Khosrowshahi, who is currently on a visit to India, and hinted at possible future collaborations between his conglomerate and the ride-hailing app.

Taking to X, both business leaders appreciated their conversation on the Indian growth story and their vision for the subcontinent.

"Absolutely captivating chat with @dkhos, CEO of @Uber. His vision for Uber's e&pansion in India is truly inspiring, especially his commitment to uplifting Indian drivers and their dignity. E&cited for future collaborations with Dara and his team! #UberIndia," Adani said in a post on X. The Uber CEO said he met the head of ports-to-energy conglomerate over breakfast for an "absolutely terrific conversation". He also highlighted the mobility service provider's commitment to accelerate EV transition in India. Adani also posted pictures of the meeting but the two did not say where the meeting took place. The pictures seem to suggest the meeting took place at Adani group's headquarters in Ahmedabad.

"An absolutely terrific conversation with @gautam_adani over a delicious breakfast about India's phenomenal growth and rising entrepreneurship. @Uber is committed to scaling up shared mobility and accelerating transition to EVs -- looking forward to take our partnership to the ne&t level," Dara replied to Adani's post.

The Uber CEO arrived in India earlier this week. During this time, the ride-sharing platform Uber on February ww signed a Memorandum of Understanding (MoU) with Open Network for Digital Commerce (ONDC) to e&plore an integration with the network to e&pand the range of mobility offerings on the Uber app. The partnership with ONDC, a non-profit private organisation founded by the Indian government's Department for Promotion of Industry and Internal Trade, is e&pected to advance Uber's objective of providing all Indians with dependable, safe, and reasonably priced rides. Khosrowshahi also discussed "Building Population Scale Technology" with Infosys Chairman Nandan Nilekani at an event in Bengaluru. In Delhi, he met Commerce Minister Piyush Goyal as well as E&ternal Affairs Minister S Jaishankar on Friday. "Encouraging to hear the optimism of Uber CEO @dkhos on doing business in India. The world takes note of the transformation of the last decade. And awaits the coming opportunities. Good to know that he even tried his hand at cricket," Jaishankar said in a post on X on Friday. "Held a discussion with Dara Khosrowshahi, CEO of @Uber. Deliberated on the company's vision for India's growth & strengthening the partnership considering our unparalleled digital infrastructure," Goyal said in a separate post on his meeting on X on Friday. Adani group is investing USD v®® billion across businesses, including in energy transition, over the ne&t decade. It is building v® GW of solar manufacturing capacity as well as a giant farm to generate electricity from sunlight. It is also investing in battery swapping and EV charging stations.

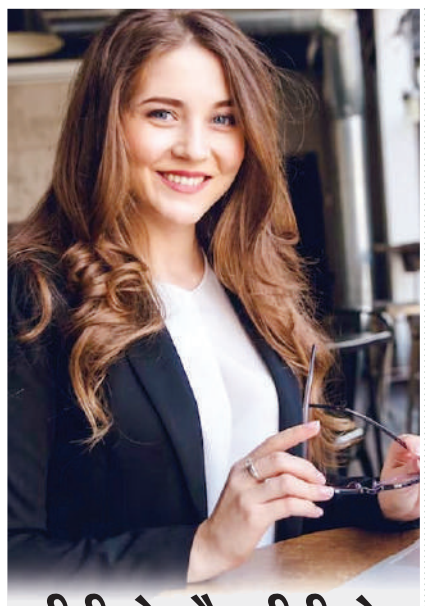

बीडीओ और सीडीओ में क्या होता है अंतर? जानें कैसे मिलती है यह नौकरी

आपने बीडीओ और सीडीओ जैसे पद के नाम तो जरूर सुने होंगे। इन पदों पर तैनात ऑफिसर कभी न कभी आपके काम भी आते होंगे। तो चलिए बीडीओ और सीडीओ में के बीच अंतर को जान लेते हैं।

आप लोगों ने आए दिन अपनी रोजमर्रा की जिदंगी में बीडीओ और सीडीओ जैसे पद के नाम सुने होंगे। इन पदों पर तैनात ऑफिसर कभी ने कभी आपके काम आते होंगे। हालांकि बीडीओ और सीडीओ में क्या फर्क है इसे लेकर लोगों के अंदर काफी कंफ्यूजन होता है। दोनों में से किसके पास ज्यादा पावर होता है इसकी भी जानकारी लोगों के पास नहीं होती है। ऐसे में आज हम आपको बीडीओ और सीडीओ दोनों में फर्क बताएंगे। साथ ही दोनों के कार्यों के बारे में भी जानेंगे। इसी के साथ आइए जानते हैं- बीडीओ और सीडीओ में कौन कितना पावरफुल है।

क्या है बीडीओ और सीडीओ में फर्क

बीडीओ का मतलब ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर होता है। इनका काम ब्लॉक के अंतर्गत विकास संबधित प्रोग्रामों के कार्यन्वयन की देखरेख करना है। वहीं दूसरी ओर चीफ डेवलपमेंट ऑफिसर जिले के सभी ब्लॉकों के योजनाओं के डेवलपमेंट की निगरानी और देखरेख करना है। बीडीओ की नियुक्ति राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा की जाती है। दूसरी ओर सीडीओ पद की नियुक्ति संघ लोक सेवा आयोग द्वारा की जाती है।

बीडीओ के कार्य

ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर राज्य का एक सरकारी ऑफिसर होता है, जो किसी ब्लॉक के विकास और गतिविधियों के लिए कार्य करता है। उसके पास ही विकास और अन्य गतिविधियों की जिम्मेदारी होती। बीडीओ का पद पंजायती राज्य व्यवस्था के लिए काफी महत्वपूर्ण होता है। बीडीओ के विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र के विकास के लिए काम करता है। यह प्रशासन के लिए जिम्मेदार होते हैं। बीडीओ ब्लॉक समिति के सदस्य होते हैं। किसी जिले के सभी बीडीओ भी जिला पंचायत या जिला परिषद का हिस्सा होते हैं।

सीडीओ के कार्य

चीफ डेवलपमेंट ऑफिसर भारतीय राज्यों उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और बिहार में एक एडमिनिस्ट्रेटिव पद के रूप में जाना जाता है। सीडीओ राज्य और केंद्र सरकारों की गरीबी उन्मूलन और बेसिकक स्ट्रक्चर के निर्माण की विभिन्न डेवलपमेंट स्कीम की देखरेख करना है। सीडीओ जिलाधिकारी के सुपरविजन और कंट्रोल में काम करते हैं। सीडीओ के अंतर्गत आने वाले सभी ब्लॉक के विकास से संबधित सभी कार्यों की निगरानी करता है।

पर्यावरण इंजीनियरिंग एक ऐसा क्षेत्र है जो पर्यावरण की रक्षा और उसे बेहतर बनाने के लिए इंजीनियरिंग सिद्धांतों और तकनीकों का इस्तेमाल करता है। यह काफी बड़ा क्षेत्र है, जो कई विषयों को जोड़ता है, जैसे कि रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिकी, गणित, और इंजीनियरिंग। बुनियादी तौर पर विज्ञान के सिद्धांतों तथा इंजीनियरिंग की तकनीकों का मिश्रण है। इस मेल से कई विधाओं का प्रयोग पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने के लिए किया जाता है।

एनवायरमेंट फील्ड में बनाना चाहती हैं करियर तो फॉलो करें ये 5 टिप्स

पूरी दुनिया में पर्यावरण संकट से निपटने के लिए बड़े स्तर पर काम किए जा रहे हैं। यह भी एक सच है कि पृथ्वी पर मौजूद मानव समाज द्वारा फैलाए जा रहे अलग-अलग तरह के प्रदूषण को देखते हुए ये उपाय पर्याप्त नहीं हैं। अभी इस दिशा में बहुत कुछ किया जाना बाकी है। प्रदूषण से संबंधित चिंताओं तथा चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए एनवायर्नमेंटल इंजीनियरिंग या पर्यावरण इंजीनियरिंग का विकास हुआ था। आज इस क्षेत्र के युवा प्रोफेशनल्स की मांग देश ही नहीं, बल्कि विदेश में भी है। इंजीनियरिंग के अलावा पर्यावरण में रुचि रखने वाले युवाओं के लिए यह एक सुनहरा करिअर है। बिना किसी शक के पर्यावरण क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने हाल के सालों में प्रदूषण कंट्रोल करने के लिए तकनीकों के साथ उपायों का विकास करने में जबरदस्त सफलता हासिल की है।

एनवायर्नमेंटल इंजीनियरिंग बुनियादी तौर पर विज्ञान के सिद्धांतों तथा इंजीनियरिंग की तकनीकों का मिश्रण है तथा इस मेल से कई विधाओं का प्रयोग पर्यावरण से प्रदूषण कम करने में किया जाता है। इसके अंतर्गत जहां एक ओर फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के अतिरिक्त इकोलॉजी, रेडियोलॉजिकल विज्ञान जैसी शाखाओं से मदद मिलती है, वहीं दूसरी ओर इंजीनियरिंग की मैकेनिकल, सिविल तथा अन्य ब्रांचों की उपयोगिता भी कम नहीं है।

एनवायर्नमेंटल इंजीनियरिंग में है रोजगार की संभावनाएं

आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि इंजीनियरिंग की 70 से अधिक शाखाएं होने के बावजूद केवल 10 प्रमुख इंजीनियरिंग शाखाओं में एडमिशन लेने के लिए होड़ रहती है। ऐसे में भविष्य की संभावनाओं को देखते हुए परंपरागत इंजीनियरिंग शाखाओं को छोड़ते हुए एनवायर्नमेंटल इंजीनियरिंग को अपनाना बहुत समझदारी का फैसला हो सकता है।

इंजीनियरिंग की इस शाखा में प्रवेश के लिए होड़ की स्थिति न होने के कारण प्रतिष्ठित और नामी संस्थानों में प्रवेश पाना अन्य इंजीनियरिंग शाखाओं की तुलना में काफी आसान होगा। देश में यह विधा नई है, इसलिए जॉब्स पाने की संभावनाएं भी कहीं ज्यादा होंगी। कई संस्थाओं द्वारा इस तरह के कोर्स शुरू किए जाने पर शिक्षक के तौर पर भी काम करने के अवसर मिल सकते हैं। इस क्षेत्र में ऐसे लोगों को जाना चाहिए, जिनमें पर्यावरण के प्रति लगाव हो। प्रदूषण से लड़ाई को जो लोग अपनी निजी लड़ाई समझते हों।

कई तरह के कोर्स चलाए जाते हैं

देश के कई विश्वविद्यालयों में एनवायर्नमेंटल इंजीनियरिंग पर आधारित कई तरह के कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। ये बैचलर और मास्टर्स डिग्री के स्तर से लेकर पीएचडी तक हो सकते हैं। सरकारी ही नहीं बल्कि निजी क्षेत्र के संस्थान भी ऐसे कोर्स संचालित करते हैं। एनवायर्नमेंटल इंजीनियरिंग के कोर्स में प्रवेश परीक्षा के आधार पर दिया जाता है। बारहवीं में गणित विषय समूह के साथ विज्ञान विषयों की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थी ही इस प्रवेश परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। चार साल की इंजीनियरिंग डिग्री के बाद इस क्षेत्र में एमटेक भी कर सकते हैं। मेरिट पाए छात्रों के लिए विदेशी यूनिवर्सिटी से स्कॉलरशिप पर पीएचडी करना भी आसान है।

एनवायर्नमेंटल इंजीनियरिंग में क्या होते हैं काम

प्रदूषण नियंत्रण एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े नियमों को तैयार करना, समय-समय पर उनमें जरूरी बदलाव करना। इस तरह के प्रोजेक्ट्स की क्वालिटी को कंट्रोल करने के लिए सरकारी तथा गैर-सरकारी पर्यावरण सुधार कार्यक्रमों की प्रगति पर नजर रखना। औद्योगिक संस्थानों एवं नगर निगम पालिकाओं के पर्यावरण नियमों के एक्टिविटीज से जुड़ना। प्रदूषित स्थानों में सुधार के लिए एजेंसियों को कंसल्टेंसी सर्विस देने जैसे काम करना। पर्यावरण सुरक्षा एवं प्रदूषण संबंधी कानूनी मामलों में सलाह देना।

बढ़ रही है प्रोफेशनल की मांग

भारत में पर्यावरण के संरक्षण के प्रति केंद्र पर्यावरण के प्रति बढ़ती जागरूकता तथा सरकारी स्तर पर बढ़ते खर्चों को देखते हुए प्राइवेट सेक्टर में भी इस क्षेत्र में काम करने वाली छोटी-बड़ी कंपनियां अब अस्तित्व में आ चुकी हैं। यही नहीं, रिसर्च इंस्टीट्यूट, एनजीओ आदि में भी इस तरह के एक्सपर्ट्स की मांग भविष्य में और तेजी से बढ़ने की संभावना है। विदेश में इस तरह के एक्सपर्टस के लिए रोजगार की बेहतरीन संभावनाएं हाल के सालों में बहुत तेजी से बढ़ी है।

एन्वाइरन्मेंटल इंजीनियर के लिए संस्थान

- आईआईटी कानपुर
- मोतीलाल नेहरू नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, इलाहाबाद
- डीवाई पाटिल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, पुणे
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग, मुंबई
- गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली
- राजस्थान टेक्निकल यूनिवर्सिटी, कोटा
- यशवंतराव चव्हाण कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, नागपुर
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, तिरुचिरापल्ली (तमिलनाडु)
- विश्वेश्वरैया टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, बेलगांव (कर्नाटक)
- मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, भोपाल (मध्य प्रदेश)

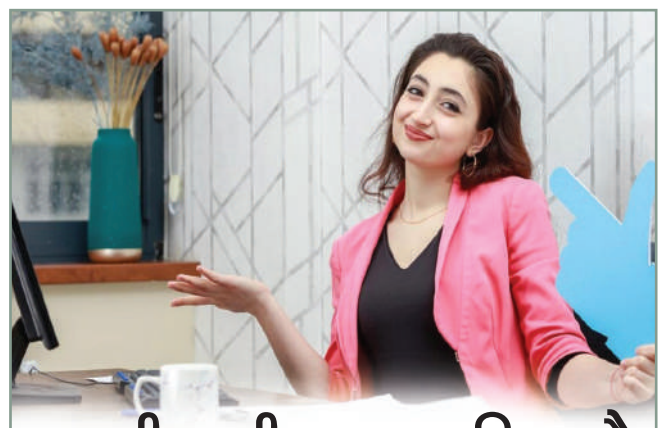

अभी-अभी कमाना किया है शुरू, तो भूल से भी ना करें ये फाइनेंशियल मिसटेक्स

आज की यंग जनरेशन कम उम्र में ही अपने पैरों पर खड़ा होने की चाहत रखती है। शायद यही कारण है कि यंगस्टर्स पढ़ाई के साथ-साथ पार्ट टाइम जॉब या फिर फीलांस वर्क करना पसंद करते हैं। यकीनन यह एक अच्छा ऑप्शन है। जब आप कमाना शुरू करते हैं तो आप आत्मनिर्भर बनते हैं। हालांकि आपके लिए सिर्फ पैसा कमाना ही काफी नहीं है, बल्कि आप उन पैसों को किस तरह हैंडल करते हैं, इस पर भी ध्यान दिया जाना उतना ही जरूरी है।

अक्सर यह देखने में आता है कि जब यंगस्टर्स पैसा कमाना शुरू करते हैं तो उन्हें पैसा हैंडल करना नहीं आता है। जिसके कारण वे अपनी मेहनत की कमाई को यूं ही खर्च कर देते हैं या फिर कुछ मिसटेक्स के कारण उन्हें फाइनेंशियल लॉस हो जाता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी ही फाइनेंशियल मिसटेक्स के बारे में बता रहे हैं, जिनसे आपको बचने की कोशिश करनी चाहिए-

बजट तय ना करना

यह एक कॉमन गलती है, जो अक्सर यंगस्टर्स कर बैठते हैं। दरअसल, जब यंगस्टर्स कमाना शुरू करते हैं तो उन पर अमूमन पारिवारिक जिम्मेदारियां नहीं होती हैं। ऐसे में उनके द्वारा कमाए गए पैसे सिर्फ उनके ही होते हैं। कई बार वे पूरे सप्ताह काम करके पैसे कमाते हैं और वीकेंड में उसे खर्च कर देते हैं। आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। हमेशा एक बजट बनाएं, जिससे आप जरूरत के अनुसार खर्च कर पाएं। साथ ही साथ, इमरजेंसी के लिए कुछ पैसे अवश्य अलग से रखें।

इनवेस्टमेंट स्कीम को इग्नोर करना

अपनी कमाई के शुरुआती दिनों में लोग इनवेस्टमेंट की ओर बिल्कुल भी ध्यान नहीं देते हैं। जबकि इस समय इनवेस्ट करना काफी अच्छा माना जाता है। चूंकि इस समय आप रिस्क ले सकते हैं और पारिवारिक जिम्मेदारियां ना होने के कारण आमदनी के एक बड़े हिस्से को निवेश कर सकते हैं। जिससे आपको अच्छे रिटर्न मिल सकते हैं।

क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करना

अगर आपने अभी-अभी पैसे कमाना शुरू किया है तो तुरंत क्रेडिट कार्ड खरीदकर उसे इस्तेमाल करना शुरू ना करें। दरअसल, अभी आपने पैसों को सही ढंग से संभालना नहीं सीखा है। ऐसे में अगर आपकी जेब में क्रेडिट कार्ड होगा तो आपके बेवजह पैसे खर्च करने की संभावना काफी बढ़ जाती है। इसलिए, शुरुआत में कुछ वक्त डेबिट कार्ड ही इस्तेमाल करें। जब आप पैसों को सही ढंग से मैनेज करना सीख जाएं, जब क्रेडिट कार्ड लेने पर विचार करें।

अपनी कमाई से ज्यादा खर्च करना

आपके लिए कपड़े, हॉलिडे और इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम्स आदि पर अत्यधिक खर्च करना आकर्षक हो सकता है। जब आपकी आमदनी उन गैर-जरूरी चीज़ों को कवर नहीं करती है। कुछ लोग लोन लेकर भी अपनी इन इच्छाओं को पूरा करने की कोशिश करते हैं। हालांकि, आपको ऐसा बिल्कुल भी नहीं करना चाहिए। आपको यह सीखना है कि अपनी क्षमता के भीतर कैसे रहना है, अपनी कमाई से अधिक खर्च नहीं करना है।

कॉस्मेटिक इंडस्ट्री में बनाना चाहती हैं करियर तो फॉलो करें ये स्टेप्स

कॉस्मेटोलॉजिस्ट के लिए तकनीक में सुधार और नयापन नए तरीके आने के साथ ही त्वचा, बाल और नाखून संबंधी जटिलताओं का आसानी से इलाज कर सकने वाली कॉस्मेटोलॉजी सच में पसंद किए जाने वाले उपचारों में से एक बन गई है। जलवायु, प्रदूषण, तनाव, असंतुलित खानपान, निष्क्रिय जीवन शैली, जीवन की रफ्तार में अनियमित बदलाव और नवीनतम गैजेट्स तथा तीव्र दवाओं के असर से न केवल बुजुर्गों और महिलाओं, बल्कि दवाओं को भी आंखों के नीचे सूजन, मसल्स टोन में कमी, समय से पहले झुर्रियां, खून के प्रवाह में गड़बड़ी, मुस्कान के निशान बनने जैसी समस्याएं होने लगती है। लेकिन कॉस्मेटोलॉजी के माध्यम से इन समस्याओं का समाधान हो सकता है और आप हर समय एक सामान्य रंग-रूप बनाए रख सकते हैं। कॉस्मेटोलॉजी सौंदर्य उद्योग में सबसे रोमांचक करियर विकल्पों में से एक है। इसमें ग्राहकों की जरूरतों को समझने के लिए ढेर सारे शोध शामिल हैं और खास समस्याओं को हल करने के लिए खास किस्म के कौशल की दरकार होती है। कॉस्मेटोलॉजी एक अनूठा कार्य क्षेत्र है, जिसमें न केवल महिलाएं, बल्कि पुरुष भी सीख सकते हैं और सफल हो सकते हैं।

कॉस्मेटोलॉजिस्ट के लिए योग्यताएं

कॉस्मेटोलॉजी के करियर में बनाने के लिए व्यावसायिक कौशल निश्चित रूप से मायने रखता है। कॉस्मेटोलॉजिस्ट में प्रशिक्षण, डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स के साथ उचित गुण और आत्मविश्वास भी बेहद जरूरी है। इसके होने या न होने से करियर बन भी सकता है और बिगड़ भी सकता है। एक कॉस्मेटोलॉजिस्ट बाल और मेकअप डिजाइन के माध्यम से खूबसूरती बढ़ाता है और एक नया रूप देता है। उसके लिए स्वाभाविक रूप में रचनात्मक होना जरूरी है, क्योंकि कॉस्मेटोलॉजिस्ट को अपने ग्राहकों के लिए हेयरस्टाइल की परिकल्पना करने या उन्हें उनकी जरूरत के हिसाब से स्टाइल देने में सक्षम होना चाहिए।

कॉस्मेटोलॉजिस्ट सेक्टर में कस्टमर सर्विस

फॉरमेटोलॉजिस्ट को ग्राहकों के साथ अच्छे संबंध बनाने चाहिए, क्योंकि उनका ज्यादातर व्यवसाय ग्राहकों के बार-बार आने और उनके द्वारा दूसरों को बताने पर निर्भर करता है। उन्हें अपने ग्राहकों की जरूरतों को ठीक-ठीक समझने के लिए उनके साथ पर्याप्त मात्रा में समय बिताने की जरूरत होती है, इसलिए अच्छे कम्युनिकेशन स्किल का होना बेहद अहम है। कॉस्मेटोलॉजिस्ट को अपने ग्राहकों को सटीक जरूरतों को गौर से सुनना चाहिए और उनके पसंद के मुताबिक सेवाएं देनी चाहिए।

कॉस्मेटोलॉजिस्ट के लिए तकनीकी कौशल

तकनीकी कौशल के लिए आपको कॉस्मेटोलॉजी से संबंधित विशिष्ट पाठ्यक्रमों वाले संस्थान में दाखिला लेना होगा। ये व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के माध्यम से उपलब्ध होते हैं, जिनमें मेकअप, सौंदर्य, बाल और नाखून संबंधी कोर्स शामिल है।

कॉस्मेटोलॉजिस्ट में होनी चाहिए सहानुभूति

एक कॉस्मेटोलॉजिस्ट के लिए लंबे समय तक खड़े रह सकने को शारीरिक क्षमता जरूरी है। इसके अलावा, कॉस्मेटोलॉजिस्ट को स्टाइलिंग के दौरान कस्टमर के बाल बार-बार सेट करने और सुखाने, साथ ही हाथों को एक निश्चित स्थिति में थामे रहने की जरूरत पड़ती है, इसलिए हाथों को स्थिर बनाए रखते हुए ऐसा करने के लिए उनमें मजबूत शारीरिक क्षमताएं होनी ही चाहिए।

कॉस्मेटोलॉजिस्ट सेक्टर में संभावनाएं

सौंदर्य उद्योग में करियर की असीमित संभावनाएं हैं। यह अनुभव और प्रतिष्ठा बढ़ाने के साथ आय में बढ़ोतरी की संभावनाओं से ये करियर विकल्प है। प्रशिक्षित कॉस्मेटोलॉजिस्ट ब्यूटी पार्लर, महंगे सैलून और आलीशान होटल व रिसॉर्ट्स में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। टेलीविजन और फिल्म उद्योग में मेकअप प्रोफेशनल्स की मांग हमेशा ही होती है। इसके अलावा, फैशन जगत में भी उनकी मांग रहती है।

ये संस्थान, जो कॉस्मेटोलॉजी में कई प्रकार के पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं -

- इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्मेटोलॉजी, मुंबई
- लॉरियल प्रोफेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्मेटोलॉजी, चेन्नई
- VLCC इंस्टीट्यूट ऑफ ब्यूटी एंड वेलनेस, बेंगलुरु
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्मेटोलॉजी, नई दिल्ली

इंडिया वर्सेस इंग्लैंड

जायसवाल ने टेस्ट क्रिकेट में रचा इतिहास

दूसरे दिन भारत ने बनाए 7 विकेट पर 219 रन

रांची, एजेंसी। भारत और इंग्लैंड की टीमों के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा मैच रांची के झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस मैच में टीम इंडिया के युवा बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने एक खास लिस्ट में भारत के बड़े-बड़े बल्लेबाजों को पीछे छोड़ दिया है।

जायसवाल ने टेस्ट क्रिकेट में रचा इतिहास

यशस्वी जायसवाल ने रांची टेस्ट की पहली पारी में 1 छक्का जड़ते ही भारतीय क्रिकेट का एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ यशस्वी जायसवाल अभी तक 23 छक्के जड़ चुके हैं। इसी के साथ वह भारत के लिए टेस्ट में एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। इस लिस्ट में सचिन तेंदुलकर सबसे आगे हैं। उनके अपने टेस्ट करियर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 25 छक्के लगाए थे। यशस्वी जायसवाल इस सीरीज में काफी शानदार फॉर्म में दिखाई दे रहे हैं। वह सीरीज में 20 से ज्यादा छक्के जड़ चुके हैं। यशस्वी जायसवाल क्रिकेट के इतिहास में एक टेस्ट सीरीज के अंदर 20 या उससे ज्यादा छक्के जड़ने वाले इकलौते बल्लेबाज हैं। उन्होंने इस रिकॉर्ड में रोहित शर्मा को पीछे छोड़ा है।

एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले बल्लेबाज

23 छक्के - यशस्वी जायसवाल बनाम इंग्लैंड (2024)*
19 छक्के - रोहित शर्मा बनाम साउथ अफ्रीका (2019)
15 छक्के - शिमरेन हेमीमीर बनाम बांग्लादेश (2018)
15 छक्के - बेन स्टोक्स बनाम ऑस्ट्रेलिया (2023)

रोहित शर्मा ने साल 2019 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ एक टेस्ट सीरीज में 19 छक्के लगाए थे।

एक टीम के खिलाफ टेस्ट में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले भारतीय

25 छक्के - सचिन तेंदुलकर - बनाम ऑस्ट्रेलिया
23 छक्के - यशस्वी जायसवाल - बनाम इंग्लैंड
22 छक्के - रोहित शर्मा - बनाम साउथ अफ्रीका
21 छक्के - कपिल देव - बनाम इंग्लैंड
21 छक्के - ऋषभ पंत - बनाम इंग्लैंड

साउथ अफ्रीका के धाकड़ बल्लेबाज ने 8 घंटे 19 मिनट में जड़ा तिहरा शतक

केपटाउन, एजेंसी। क्रिकेट साउथ अफ्रीका 4 डे सीरीज टूर्नामेंट में गुरुवार को दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज ट्रिस्टन स्टब्स ने पहला तिहरा शतक जड़ दिया। स्टब्स साउथ अफ्रीका में फर्स्ट क्लास क्रिकेट में ट्रिपल सेंचुरी लगाने वाले 11वें बल्लेबाज बन गए।

स्टब्स ने भारत के खिलाफ किया था डेब्यू

ट्रिस्टन स्टब्स इस टूर्नामेंट के पांच मैचों में 2 शतक लगा चुके हैं और वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं। पिछले महीने ही भारत के खिलाफ टेस्ट डेब्यू करने वाले स्टब्स ने पहले दिन बल्लेबाजी करते हुए 8 घंटे 19 मिनट के अंदर अपनी ट्रिपल सेंचुरी पूरी कर ली।

अफ्रीका का यह विकेटकीपर बल्लेबाज आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स फ्रेंचाइजी का हिस्सा है। उनके फॉर्म को देखते हुए यह माना जा रहा है कि स्टब्स दिल्ली कैपिटल्स में ऋषभ पंत की जगह विकेटकीपिंग करते हुए भी दिख सकते हैं।

जावी अलोंसो की टीम बायर लेवरकुसेन ने रचा इतिहास

लेवरकुसेन (जर्मनी) एजेंसी। लेवरकुसेन ने बुंदेसलिगा के अलावा अन्य टूर्नामेंट को मिलाकर इस सीजन में कुल 33 मैच खेले हैं। इस दौरान उसने 29 मैच जीते हैं और चार ड्रॉ रहे हैं। इससे पहले बायर्न म्यूनिख की टीम 2019 से 2020 के बीच लगातार 32 मैच में नहीं हारी थी।

जर्मनी के फुटबॉल क्लब बायर लेवरकुसेन ने इतिहास रच दिया है। उसने बुंदेसलिगा में शुक्रवार को मेन्ज के खिलाफ 2-1 से जीत हासिल की। उसने इस सीजन में सभी क्लब टूर्नामेंट में लगातार 33 मैच में नहीं हारने का रिकॉर्ड बनाया। लेवरकुसेन के कोच स्पेन के पूर्व खिलाड़ी जावी अलोंसो हैं। उनकी कोचिंग में टीम ने बायर्न म्यूनिख का रिकॉर्ड तोड़ दिया। लेवरकुसेन की टीम बार बुंदेसलिगा जीतने के करीब भी पहुंच गई है। लेवरकुसेन के लिए मेन्ज के खिलाफ पहला गोल इंग्लैंड के क्लब आर्सेनल से आए स्विट्जरलैंड के ग्रानिट जाका ने किया।

उन्होंने तीसरे मिनट में ही गोल दाग दिया। जाका के गोल के चार मिनट बाद मेन्ज ने बराबरी का गोल कर दिया। उसके लिए डोमिनिक कोर ने सातवें मिनट में स्कोर किया। हाफटाइम तक मैच 1-1 की बराबरी पर रहा। उसके बाद दूसरे हाफ में लेवरकुसेन ने बढ़त बना ली। उसके लिए रॉबर्ट एंड्रिच ने 68वें मिनट में गोल किया। इसके बाद मुकाबले में कोई गोल नहीं हुआ और लेवरकुसेन ने मैच को जीत लिया।

तीन टूर्नामेंट में अजेय लेवरकुसेन

लेवरकुसेन ने बुंदेसलिगा के अलावा अन्य टूर्नामेंट को मिलाकर इस सीजन में कुल 33 मैच खेले हैं। इस दौरान उसने 29 मैच जीते हैं और चार ड्रॉ रहे हैं। इससे पहले बायर्न म्यूनिख की टीम 2019 से 2020 के बीच लगातार 32 मैच में नहीं हारी थी। इसमें चैंपियंस लीग में जीत भी शामिल है। लेवरकुसेन ने इस सीजन में बुंदेसलिगा के अलावा डीएफबी पोकल और यूरोपा लीग टूर्नामेंट में हिस्सा लिया है।

बुंदेसलिगा में अंक तालिका का हाल

लेवरकुसेन के बुंदेसलिगा की अंक तालिका में अब 61 अंक हो गए हैं। 23 मैचों में उसने 19 मुकाबले जीते हैं। चार मैच ड्रॉ रहे हैं। वह दूसरे स्थान पर काबिज गत विजेता बायर्न म्यूनिख से 11 अंक आगे हो गया है। बायर्न के 22 मैच में 50 अंक हैं।

मुझे यहां सम्मान नहीं मिलता...

भारतीय महिला हॉकी टीम की कोच ने दिया अपने पद से इस्तीफा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला हॉकी टीम की मुख्य कोच यानेक शॉपमैन ने राष्ट्रीय महासंघ द्वारा सम्मान और अहमियत नहीं दिए जाने का दावा करके हंगामा करने के कुछ दिन बाद शुक्रवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। डच कोच ने 2021 में सोर्ड मरीन की जगह ली थी, जिन्होंने टीम को टोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक चौथे स्थान पर पहुंचाया था।

शॉपमैन का अनुबंध इस साल पेरिस ओलंपिक के बाद अगस्त में समाप्त होना था, लेकिन उनकी हालिया आलोचनात्मक टिप्पणियों के बाद उम्मीद की जा रही थी कि वह इस पद पर जारी नहीं रहेंगी। हॉकी इंडिया (एचआई) ने बताया कि 46 वर्षीय कोच ने ओडिशा में एफआईएच हॉकी प्रो लीग के घरेलू चरण में टीम का अभियान खत्म होने के बाद हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की को अपना इस्तीफा सौंप दिया। हॉकी इंडिया ने इस मामले पर प्रेस रिलीज जारी कर कहा, हाल ही में ओलंपिक क्वालिफायर में निराशा के बाद उनके इस्तीफे ने हॉकी इंडिया के लिए महिला हॉकी टीम के लिए एक उपयुक्त मुख्य कोच की तलाश का मार्ग प्रशस्त कर दिया है जो 2026 में अगले महिला विश्व कप और 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए भारतीय टीम को तैयार कर सके।

हॉकी इंडिया ने कहा, यह भारतीय महिला हॉकी में एक नया अध्याय शुरू करने का समय है जिसमें खिलाड़ियों की प्रगति हमारा फोकस है। शॉपमैन ओडिशा में प्रो लीग मैच में 'मिक्स्ड जोन' बातचीत के दौरान दावा किया था कि हॉकी इंडिया पुरुष टीम कोच के मुकाबले महिला टीम कोच को कम तरजीह देता है। उन्होंने कहा था- पिछले दो वर्षों में मैंने खुद को काफी अकेला महसूस किया। मैं ऐसी संस्कृति से आई हूं जहां महिलाओं का सम्मान किया जाता है और उन्हें महत्व दिया जाता है। मुझे यहां ऐसा नहीं लगता। हालांकि, हॉकी इंडिया ने इससे इनकार किया था।

भारतीय टीम ने शॉपमैन के मार्गदर्शन में अच्छा प्रदर्शन किया है। इस दौरान टीम ने 74 मैच में से 38 में जीत हासिल की। 17 ड्रॉ खेले और 19 में उसे हार का सामना करना पड़ा। उनके मार्गदर्शन में 2023 एशियाई चैम्पियंस ट्राफी की खिताबी जीत टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। हालांकि, भारतीय महिला हॉकी टीम का पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाना सबसे बड़ी निराशा रही।

महिला प्रीमियर लीग 2024

सजना का आखिरी गेंद पर छक्का, मुंबई इंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स को हराया

बेंगलुरु, एजेंसी।। यहां के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में शुक्रवार को खेले गए महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के सीजन 2 के उद्घाटन मैच में यास्तिका भाटिया (57) और हरमनप्रीत कौर (55) के तूफानी अर्धशतकों के बाद नवोदित संजीवन सजना के आखिरी गेंद पर छक्के की मदद से मुंबई इंडियंस ने आखिरी ओवर के रोमांचक मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को चार विकेट से हरा दिया।

उद्घाटन समारोह में सुपरस्टार शाहरुख खान की अगुवाई में बॉलीवुड सितारों के जलवे बिखेरने के बाद ऐलिस कैप्सी ने 53 गेंदों में 75 रनों की पारी खेली और मेग लैनिंग (31) और जेमिमा रोड्रिग्स (42) के साथ मिलकर दिल्ली कैपिटल्स को 20 ओवरों में 171/5 तक पहुंचने में मदद की। गत चैंपियन ने उन्हें पहले बल्लेबाजी करने को कहा। मुंबई इंडियंस टीम लगातार दम दिखाते हुए अंतिम ओवर में पहुंच गई। जब उसे छह गेंदों में 12 रनों की जरूरत थी, एलिस कैप्सी ने आखिरी ओवर की पहली गेंद पर पूजा वस्त्रकार (1) को वापस भेजा। शेफाली वर्मा के अच्छा बचाव करने के बाद अमनजोत कौर ने दो रन लिए और फिर एक रन लिया। जब तीन गेंदों पर नौ रनों की जरूरत थी, तब हरमनप्रीत ने एक चौका लगा दिया।लेकिन जब दो गेंदों पर पांच रन की जरूरत थी, तब भीड़ स्तब्ध रह गई, क्योंकि हरमनप्रीत आउट हो गईं।

एनाबेल सदरलैंड ने जोरदार हीव पर एक स्कीयर पकड़ा। मुंबई इंडियंस को आखिरी गेंद पर पांच रन चाहिए थे और पहली बार सजना क्रीज पर थीं। इस भारतीय युवा खिलाड़ी ने कैप्सी को पहली ही गेंद पर मिडिल और लेग के स्लॉट में छक्का लगाकर जीत पक्की कर दी।

इससे पहले, हेले मैथ्यूज के शून्य पर आउट होने के बाद यास्तिका भाटिया ने मुंबई इंडियंस को बचाए रखा। उन्होंने और नेट साइवर-ब्रंट ने दूसरे विकेट के लिए 33 गेंदों पर पचास रन जुटाए, इससे पहले यास्तिका ने 35 गेंदों पर सात चौकों और दो छक्कों की मदद से अपना अर्धशतक पूरा किया। साइवर-ब्रंट के 19 रन पर आउट होने के बाद यास्तिका और हरमनप्रीत कौर ने तीसरे विकेट के लिए 56 रन जोड़े।

सचिन नहीं, इस क्रिकेटर ने ठोकी थी वनडे में पहली डबल सेंचुरी

नईदिल्ली, एजेंसी। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने अपने 24 साल लंबे इंटरनेशनल करियर में रिकॉर्ड्स का अंबार लगाया। सचिन ने 2013 में क्रिकेट को अलविदा कह दिया लेकिन अनेक बड़े रिकॉर्ड अब भी उनके नाम पर दर्ज हैं। अधिकतर क्रिकेटर जिस उम्र में संन्यास का ऐलान कर देते हैं, सचिन ने तब वनडे में डबल सेंचुरी ठोकी थी।

उन्होंने 37 की उम्र में यह कारनामा अंजाम दिया। वह आज ही के दिन 14 साल पहले वनडे फॉर्मेट में दोहरा शतक जड़ने वाले पहले पुरुष क्रिकेटर बने थे। सचिन ने 24 फरवरी 2010 को ग्वालियर के कैप्टन रूप सिंह स्टेडियम में साउथ अफ्रीका के खिलाफ इतिहास रचा था।

उन्होंने मैच में 147 गेंदों का का सामना किया और नाबाद 200 रन बनाए। उन्होंने पारी में 25 चौके और 3 छक्के लगाए थे। उनका स्ट्राइक रेट 136 से भी ज्यादा का था। लेकिन आपको यह जानकर हैरानी होगी कि सचिन वनडे क्रिकेट में डबल सेंचुरी जड़ने वाले पहले खिलाड़ी नहीं थे। यह रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेटर बेलिंडा क्लार्क के नाम दर्ज है। सचिन और बेलिंडा के दोहरे शतक के बीच 13 साल का अंतर हैं और एक दिलचस्प कनेक्शन है। दरअसल, सचिन की तरह बेलिंग भी दोहरा शतक जड़कर नाबाद लौटी थीं।

बेलिंडा ने 16 फरवरी 1997 को मुंबई में डेनमार्क की टीम के खिलाफ ऐतिहासिक पारी खेली थी। उन्होंने 155 गेंदों में 22 चौकों की मदद से नाबाद 229 रन बनाए। बेलिंडा तब ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की कप्तान थी। उन्होंने 1991 से 2005 तक ऑस्ट्रेलिया के लिए 118 वनडे, 15 टेस्ट और एक टी20 इंटरनेशल मैच खेला। गौरतलब है कि सचिन ने करियर में 200 टेस्ट और 463 वनडे के अलावा एक टी20 इंटरनेशनल मैच खेला। कोई भी खिलाड़ी अभी तक इतने टेस्ट और वनडे मैच नहीं खेल सका, जिसमें उनके बल्ले से क्रमश-15921 और 18426 रन निकले। वह 100 इंटरनेशनल शतक ठोकने वाले इकलौते क्रिकेटर हैं। उन्होंने टेस्ट में 51 और वनडे में 49 सेंचुरी जमाईं।

अपनी बेटी के चलते शाहिद ने छोड़ी यह गंदी आदत

गत वर्ष सिनेमा के परदे से दूर रहे शाहिद कपूर ओटीटी प्लेटफार्म पर छाए रहे। गत वर्ष शाहिद कपूर वेब सीरीज फर्जी और अली अब्बास जफर के निर्देशन में बनी फिल्म ब्लडी डैडी में नजर आए थे। सीरीज और फिल्म दोनों को दर्शकों ने बहुत प्यार दिया। इस वर्ष उनकी एक फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया प्रदर्शित हुई है, जिसने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी सफलता प्राप्त कर ली है। शाहिद कपूर ने करिअर की शुरुआत चॉकलेटी लवर बॉय की इमेज के साथ की थी। धीरे-धीरे वे खुद को हर तरह के रोल में आजमाने लगे। शाहिद को दर्शकों से भरपूर प्यार मिला। फैंस उनकी प्रोफेशनल लाइफ के साथ पर्सनल लाइफ में भी दिलचस्पी रखते हैं। शाहिद जितना दम अपनी एक्टिंग में लगाते हैं उतना ही वे परिवार के लिए भी समर्पित हैं। शाहिद की शादी मीरा राजपूत के साथ हुई है और उनके एक बेटा जैन व एक बेटी मीशा है। शाहिद और मीरा सोशल मीडिया पर बच्चों के साथ फोटो व वीडियो शेयर करते रहते हैं। अब शाहिद ने खुलासा किया है कि उन्होंने बेटी की वजह से स्मोकिंग की गंदी आदत छोड़ दी। एक्ट्रेस नेहा धूपिया के चैट शो 'नो फिल्टर नेहा' के छठे सीजन के पहले एपिसोड में शाहिद ने बताया कि जब मैं स्मोक करता था तो बेटी से छिपकर ऐसा करता था। बस यही वजह है कि मैंने स्मोकिंग छोड़ दी। मैंने एक दिन सोचा कि मुझे स्मोकिंग की वजह से बेटी से छिपना पड़ रहा है।

तृप्ति डिमरी ऋषिकेश में शूटिंग करते हुए मनाया जन्मदिन

नेशनल क्रश तृप्ति डिमरी एक आगामी प्रोजेक्ट के सेट पर अपना 29वां जन्मदिन मना रही हैं जिसके लिए वह इस समय ऋषिकेश में शूटिंग कर रही हैं। ऋषिकेश के लुभावने दृश्यों के बीच अपना जन्मदिन मना रही तृप्ति ने फिल्म उद्योग में अपनी यात्रा पर सोचने के लिए कुछ समय निकाला। रणबीर कपूर अभिनीत फिल्म एनिमल में अपने अभिनय से बड़े पैमाने पर प्रशंसा हासिल करने वाली अभिनेत्री ने कहा, ऋषिकेश की मनमोहक खूबसूरती के बीच वह काम करना जो मुझे सबसे ज्यादा पसंद है, इससे ज्यादा संतोषजनक जन्मदिन की उम्मीद नहीं कर सकती।.

सेट पर बिताया गया क्षण एक उपहार है, और मैं अभिनय के प्रति अपने जुनून में डूबे हुए अपने विशेष दिन का जश्न मनाने के अवसर के लिए अविश्वसनीय रूप से आभारी हूं। काम के मोर्चे पर, तृप्ति डिमरी के पास पाइपलाइन में कई फिल्में हैं। इनमें राजकुमार राव के साथ विक्की विद्या का वो वाला वीडियो, विक्की कौशल और एमी विक के साथ मेरे मेहबूब मेरे सनम और कार्तिक आर्यन के साथ भूल भुलैया 3 शामिल हैं।

ऐश्वर्या को प्लास्टिक कहने पर छलका इमरान का दर्द

हिंदी सिनेमा में अपनी किसिंग कला से मशहूर इमरान हाशमी अपनी आने वाली वेब सीरीज शोटाइम में अहम भूमिका निभाते नजर आने वाले हैं। हाल ही में, एक इंटरव्यू के दौरान अभिनेता ने सीरीज में अपनी भूमिका और इंडस्ट्री को लेकर कई दिलचस्प खुलासे किए हैं। यही नहीं, इमरान को एक बार फिर अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन को लेकर अपने दिए विवादित बयान की याद आ गई है।

इमरान हाशमी ने हाल ही में, खुलासा किया कि 2014 में कॉफी विद करण सीजन 4 में ऐश्वर्या राय बच्चन को प्लास्टिक कहने पर उन्हें कड़ी प्रतिक्रिया मिली थी। इसके बाद अभिनेता को अपने इस बयान का खामियाजा भी भुगतना पड़ा था। इमरान ने आगे कहा, मेरे मन में किसी के खिलाफ कुछ नहीं है। मैं बस हैंपर जीतना चाहता था।

शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान ने हाल ही में जोया अख्तर के प्रोडक्शन में बनी फिल्म द आर्चीज से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की है। रिलीज के बाद से ही उन्हें सोशल मीडिया पर खूब प्यार और सपोर्ट मिल रहा है। सुहाना के सोशल मीडिया हैंडल पर बहुत बड़ा फैन बेस है। हाल ही में यह खबर आई है कि अभिनेत्री ने

शाहरुख के नक्शे कदम पर चलीं सुहाना

अलीबाग में एक प्रॉपर्टी खरीदी है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें शाहरुख खान की बेटी और यंग एक्ट्रेस सुहाना खान ने हाल ही में मुंबई के पास अलीबाग में एक बड़ी प्रॉपर्टी खरीदी है। खबरों की मानें तो अभिनेत्री ने थाल गांव में 9.5 करोड़ रुपये में जमीन खरीदी है। उन्होंने इसके लिए 57 लाख रुपये की स्टांप ड्यूटी का भुगतान किया है। दस्तावेजों के मुताबिक अलीबाग के रायगढ़ स्थित थाल गांव में पार्सल का आकार 78,361 वर्ग फुट है। रिपोर्ट्स की मानें तो लेनदेन का पंजीकरण 13 फरवरी, 2024 को हुआ था।

संक्षिप्त समाचार

फ्लाईओवर पर रील्स बनाने के लिए कर रहे थे स्टंट, दिल्ली पुलिस ने लिया ऐक्शन

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के कुछ युवकों को फ्लाईओवर पर रील बनाना भारी पड़ गया। पुलिस ने विकासपुरी फ्लाईओवर पर हुड़दंग मचाने वाले पांच लोगों को 19 फरवरी को गिरफ्तार किया। इनकी पहचान तिलक नगर निवासी सुबीर सिंह, नाम सिंह, गुरमीत सिंह, हरमीत सिंह और मनमीत सिंह के रूप में हुई। आरोपियों ने तेज रफ्तार और जिग-जैग तरीके से गाड़ी चलाते हुए रंगीन बम फोड़कर रील बनवाई थी। पुलिस उपायुक्त विचित्र वीर ने बताया कि विकासपुरी फ्लाईओवर पर जाम लगने की शिकायतें मिली थीं। पुलिस को पता चला कि कुछ लोग फ्लाईओवर पर गाड़ी खड़ी कर रील बनाते हैं। एक शिकायतकर्ता ने पुलिस को कुछ वीडियो भी उपलब्ध कराए। इनमें कुछ लोग तेज रफ्तार और जिग जैग तरीके से गाड़ी चलाने के दौरान रंगीन बम फोड़ते हुए दिखाई दिए। आरोपी रील बनाने के लिए गाड़ियों की खिड़की से बाहर निकले हुए थे। विकासपुरी थाना पुलिस ने केस दर्ज किया और ट्रैफिक पुलिस की मदद से जांच शुरू की। दोनों की संयुक्त टीम ने आरोपियों की पहचान कर उन्हें तिलक नगर से गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के पास से वीडियो में दिखाई दे रही पांच गाड़ियों को भी जब्त किया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि वीडियो में 20 से 25 गाड़ी दिखाई दे रही थी। इन लोगों को गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी की जा रही है।

उपलब्धि के बारे में विश्व स्वास्थ्य संगठन को किया गया सूचित

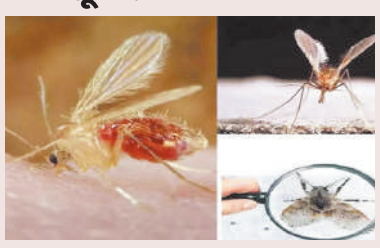

नई दिल्ली , एजेंसी। भारत कालाजार उन्मूलन के मुहाने पर है। देश में पिछले साल सभी ब्लॉकों में प्रति 10,000 आबादी पर विसरल लीशमैनियासिस (वीएल) या कालाजार के एक से भी कम मामले दर्ज किए गए। भारत ने पिछले साल पहली बार यह लक्ष्य हासिल किया। एक अधिकारी ने कहा कि इस बारे में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) को भारत की इस उपलब्धि के बारे में सूचित कर दिया गया है। लगातार तीन वर्षों तक यह लक्ष्य हासिल करने पर डब्ल्यूएचओ भारत को कालाजार मुक्त घोषित करेगा। नेशनल वेक्टर बॉर्न डिजीज कंट्रोल प्रोग्राम (एनवीबीडीसीपी) के अनुसार पिछले साल कालाजार के कुल 520 मामले सामने आए और इस बीमारी से चार मौतें दर्ज की गईं। वर्ष 2022 में 818 मामले सामने आए थे और तीन मौतें हुई थीं। 2023 में लगभग 595 लोगों को एचआइवी-वीएल सह-संक्रमण हुआ, जबकि 2022 में यह संख्या 891 थी।विसरल लीशमैनियासिस प्रोटोजोआ परजीवी लीशमैनिया के कारण होने वाली संक्रामक बीमारी है जो मादा फ्लेबोटोमाइन सैंडफ्लाइज (मक्खियों) से फैलती है। इस बीमारी के लक्षणों में बुखार, वजन में कमी, लिवर का बढ़ना और एनीमिया शामिल हैं। भारत ने इस इस बीमारी को वर्ष 2010 तक समाप्त करने का लक्ष्य रखा था। बाद में इसे 2015, फिर 2017 और 2020 तक बढ़ा दिया गया। उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और बंगाल चार कालाजार से सर्वाधिक प्रभावित राज्य रहे हैं। यहां के कुछ ब्लाकों में पिछले दशकों में एक से अधिक मामले दर्ज किए गए। इसी कारण कालाजार उन्मूलन के लक्ष्य को हासिल करने में देरी हुई। लेकिन 2023 में पहली बार लक्ष्य हासिल किया गया।

दुनिया के सबसे बड़े सफारी पार्क का काम शुरू

नईदिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम और नूंह में अरावली की तलहटी में बनने वाले दुनिया के सबसे बड़े अरावली सफारी पार्क को लेकर काम शुरू कर दिया गया है। शुक्रवार को विधानसभा में बजट पेश करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुग्राम-नूंह में दस हजार एकड़ में बनने वाले सफारी पार्क बनेगा। उन्होंने बताया कि सफारी पार्क परियोजना डिजाइन के लिए निजी एजेंसियों के साथ अनुबंध किया है।

केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण को प्रस्तुत करने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर ली गई है। दरअसल, गुरुग्राम-नूंह में अरावली की पहाड़ों में बनने वाली इस जंगल सफारी के बाद न केवल गुरुग्राम और नूंह जिले के क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि अरावली पर्वत श्रृंखला को संरक्षित करने में भी मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इसे तीन चरणों में विकसित किया जाएगा। पहले चरण को पूरा करने के लिए लगभग दो साल का लक्ष्य निर्धारित किया है। जैव विविधता पार्क अवधारणा के अनुरूप एक सफारी पार्क विकसित करने के विकास के लिए डिजाइन

परामर्श सेवाएं प्रदान करने के लिए दो चरण की निविदा प्रक्रिया अपनाई गई हैं।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि इस जंगल सफारी में सभी प्रकार के जानवर और पक्षियों की प्रजातियां लाने का प्रयास है। वन्यजीवों की स्वदेशी प्रजातियों के अलावा हमारी जलवायु में रह सकने वाले विदेश से लाए जा सकने वाले जानवरों पर भी अध्ययन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सुल्तानपुर झील की तरह माइग्रेटिड बर्ड के लिए झील की व्यवस्था हो, इस पर भी चर्चा की गई है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के जंगल सफारी पार्क विलुप्त होती प्रजातियों को संरक्षित कर बचाने का भी केंद्र होते हैं। जंगल सफारी को लेकर बीते साल विदेशी फर्म के कंसलटेंट नीदरलैंड के एलेक्जेंडर काओराड बरोवर, गोंजालो फरनांडिज होयो, सौरव भयैक ने अपनी प्रस्तुतिकरण दिया था। परियोजना में बर्ड पार्क, बिग कैट्स के चार जोन, शाकाहारी जानवरों के लिए एक बड़ा क्षेत्र होगा। साथ ही विदेशी पशु पक्षियों के लिए एक क्षेत्र, एक अंडरवाटर वर्ल्ड, नेचर ट्रेल्स, विजिटर, टूरिज्म जोन, बॉटनिकल गार्डन, बायोमेस, इक्वाटोरियल, ट्रॉपिकल, कोस्टल, डेजर्ट होंगे।

बता दें कि अरावली पर्वत श्रृंखला एक सांस्कृतिक धरोहर है, जहां पर पक्षियों, वन्य प्राणियों, तितलियों आदि की कई प्रजातियां पाई जाती हैं। कुछ वर्षों पहले हुए सर्वे के अनुसार अरावली में पक्षियों की 180 प्रजातियां, मैमल्स अर्थात स्तनधारी वन्य जीवों की 15 प्रजातियां, रेप्टाइल्स अर्थात जमीन पर रेंगने वाले और पानी में रहने वाले प्राणियों की 29 प्रजातियां और तितलियों की 57 प्रजातियां मौजूद हैं।

कांग्रेस ने उठाए राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र बैगा जनजाति सुरक्षा पर सवाल

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में बैगा जनजाति की रक्षा को लेकर सरकार पर सवाल खड़ा किया जा रहा है। प्रदेश कांग्रस के अध्यक्ष दीपक बैज ने बैगा जनजाति के लोगों की रक्षा को लेकर सरकार को घेरते हुए सवाल खड़ा किया है। सांसद दीपक बैज ने दीपक बैज ने बैगा जनजाति के तीन सदस्यों की मृत्यु के मामले की न्यायिक जांच की फिर मांग करते हुए आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की बात कही है। दीपक बैज ने राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र बैगा जनजाति के परिवार के लोगों की हत्या पर सरकार को घेरते हुए कहा कि सरकार आज बैगा आदिवासियों की रक्षा नहीं कर पा रही है। इस हत्या को लेकर सरकार सिर्फ लीपा पोती करने का काम कर रही है। बैज ने कहा कि इस मामले में आखिर इतनी देरी क्यो हो रही है, जो भी अधिकारी इस विषय को लेकर लापरवाही कर रहे हैं उनपर भी कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। बैज ने आगे कहा है कि उन्होंने इसे गंभीरता को देखते हुए 30 जनवरी को मुख्यमंत्री को पत्र लिख कर न्यायिक जांच की मांग थी। लेकिन अब जब यह साफ हो गया कि हत्या हुई थी तो इस हत्या के मामले को दबाने और इसके षड्यंत्रों को उजागर करने के लिए न्यायिक जांच कराया जाना जरूरी है।

पहाड़ों पर बर्फबारी से दिल्ली की फिजा बदली, ठंडी हवाएं चलने से पारा गिरा

नईदिल्ली, एजेंसी। बर्फबारी वाले क्षेत्रों से आने वाली ठंडी हवाओं के दिल्ली के तापमान में थोड़ी गिरावट आई है। दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग में दिन का न्यूनतम तापमान सामान्य से चार डिग्री नीचे रहा। अधिकतम तापमान भी सामान्य से एक डिग्री कम दर्ज किया गया, जबकि वायु गुणवत्ता मध्यम श्रेणी में रही।

दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में शुक्रवार सुबह के समय हल्की धुंध देखने को मिली। हालांकि, दिल्ली में इस समय हवा की दिशा पश्चिमी, उत्तर पश्चिमी और उत्तर पूर्वी है। हवा के साथ ही बर्फबारी वाले क्षेत्रों की ठंड भी आ रही है। इसके चलते दिल्ली में हल्की ठंड का असर अभी भी बना हुआ है। मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली के सफदरजंग में शुक्रवार को अधिकतम तापमान 24.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं, न्यूनतम तापमान 7.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जो मौसम के औसत से चार डिग्री कम है। आईएमडी के मुताबिक, दिन के दौरान आद्रर्ता 84 से 35 फीसदी के बीच रही। मौसम विभाग ने शनिवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहने और न्यूनतम व अधिकतम तापमान क्रमशः आठ और 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान जताया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, राजधानी में 24 घंटे का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 142 दर्ज किया गया, जो मध्यम श्रेणी में आता है। सीपीसीबी के आंकड़ों के मुताबिक, गुरुवार को एक्यूआई 145 दर्ज किया गया, जबकि बुधवार को सूचकांक 245 और मंगलवार को 226 रहा था, जो खराब श्रेणी में आता है। बता दें कि, शून्य और 50 के बीच एक एक्यूआई अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है।

गुरुग्राम की 3 और अवैध कॉलोनियों में चले बुलडोजर

17 एकड़ जमीन पर हुए निर्माण मलबे में तब्दील

नईदिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम में अवैध कॉलोनियां बसाने वाले भूमाफियाओं पर प्रशासन का ऐक्शन अब तेज हो गया है। गुरुग्राम नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग ने शुक्रवार को गांव वजीरपुर और हयातपुर में तीन अवैध कॉलोनियों के खिलाफ बुलडोजर अभियान चलाया। यह तीनों अवैध कॉलोनियां करीब 17 एकड़ जमीन पर बसाई रही थीं।

इन कॉलोनियों मे रहने वाले लोगों ने प्रशासन द्वारा की जा रही इस तोड़फोड़ की कार्रवाई का विरोध किया, लेकिन पुलिस बल के आगे आने पर प्रदर्शनकारी पीछे हट गए। इसके बाद तोड़फोड़ दस्ते ने अवैध निर्माणों को बुलडोजर की मदद से मलबे में तब्दील कर दिया। तोड़फोड़ दस्ता दोपहर 12 बजे गांव वजीरपुर में पहुंच गया। यहां करीब 11 एकड़ में दो कॉलोनियां बसाई रही थीं। इसमें एक फार्म हाउस को भी मलबे में मिलाया गया। एक टाइल फैक्ट्री के अलावा चार कमरों को तोड़ा गया। सड़क को उखाड़ दिया। 22 मकानों के निर्माण को लेकर की गई चारदीवारी को भी तोड़ दिया। प्रॉपर्टी डीलर का दफ्तर भी मलबे में मिला दिया। इसके बाद तोड़फोड़ दस्ता गांव हयातपुर में पहुंच गया। छह एकड़ में नई कॉलोनी काटी जा रही थी।

गौरतलब है कि, इस महीने की शुरुआत में गुरुग्राम में अवैध रूप से करीब 110 एकड़ जमीन पर 15 कॉलोनियां काटने के मामले में 100 जमीन मालिकों पर एफआईआर दर्ज की गई थी। जिला नगर योजनाकार इंफोर्समेंट (डीटीपीई) की शिकायत पर गुरुग्राम पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी। इन कॉलोनियों को जनवरी में जमींदोज किया गया था।

जिला नगर योजनाकार इंफोर्समेंट ने लोगों से अपील की है कि वे अपनी जिंदगी की जमापूंजी अवैध रूप से पनप रही कॉलोनियां में नहीं लगाएं। ये कॉलोनियां कभी भी तोड़ी जा सकती हैं।

पीएम मोदी आस्ट्रेलिया के अब तक के सबसे बेहतरीन भारतीय दोस्त: टोनी एबाट

केपटाउन , एजेंसी। आस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी एबाट ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बेहतरीन मित्र बताया है। टोनी एबाट ने पीएम मोदी को आगामी लोकसभा चुनावों के लिए शुभकामना भी दीं। भारत को मजबूत लोकतंत्र बताते हुए एबाट ने कहा कि आस्ट्रेलिया को प्रधानमंत्री मोदी के साथ काम करने में बहुत खुशी होगी। आस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधानमंत्री ने एक साक्षात्कार में कहा, पीएम मोदी आस्ट्रेलिया के अब तक के सबसे अच्छे भारतीय मित्र रहे हैं। मैं उन्हें आने वाले चुनावों के लिए शुभकामना देता हूं। स्वाभाविक रूप से भारत मजबूत लोकतंत्र है और समय-समय पर इस देश में सरकार बदलती रहती हैं। मैं भारतीय लोगों को सलाह नहीं देना चाहता, लेकिन, मैं आस्ट्रेलियाई दृष्टिकोण से जानता हूं कि हमें आने वाले कई वर्षों तक प्रधानमंत्री मोदी के साथ काम करके खुशी होगी। एबाट ने यह भी कहा कि भारत और आस्ट्रेलिया के बीच संबंध बहुत मजबूत हैं। यह संबंध समय के

साथ और मजबूत होता जा रहा है। दुनिया की उभरती हुई लोकतांत्रिक महाशक्ति है।

शोम्बी शार्प रायसीना डायलाग को महत्वपूर्ण बताते हुए भारत में संयुक्त राष्ट्र के रेजिडेंट कोआर्डिनेटर शोम्बी शार्प ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की ओर से इस कार्यक्रम में भाग लेना खुशी और सम्मान की बात है। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा कि रायसीना डायलाग का नौवां संस्करण सफलता और सभी परिवर्तनों में भारत की प्रभावी नेतृत्व क्षमता को प्रदर्शित करता है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का सदस्य बनने का सशक्त दावेदार है।

युद्ध बाद भी इजरायल गाजा पर बनाए रखेगा नियंत्रण, पीएम नेतन्याहू ने कैबिनेट में रखी भविष्य की योजना

यरुशलम , एजेंसी। इजरायल ने साफ कर दिया है कि युद्ध की समाप्ति के बाद भी वह गाजा की गतिविधियों पर अपना परोक्ष नियंत्रण बनाए रखेगा। इसके तहत गाजा की रोजमर्रा की प्रशासनिक गतिविधियां और सुरक्षा उपाय उसकी निगरानी में रहेंगे। इस आशय की कार्ययोजना शुक्रवार को प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंत्रिमंडल के समक्ष रखी। यह कार्ययोजना उस अमेरिकी योजना के विरुद्ध है जिसमें गाजा का नियंत्रण फलस्तीन प्राधिकार को देने का प्रयास हो रहा है। यह प्राधिकार फिलहाल सीमित अधिकारों के साथ वेस्ट बैंक में प्रशासन संभाल रहा है।

गाजा में युद्धविराम के प्रयास के बीच नेतन्याहू ने इजरायल की भविष्य की योजना का प्रारूप सार्वजनिक किया है। इसमें साफ किया गया है कि इजरायल हमास के खात्मे के अपने लक्ष्य से बिल्कुल भी पीछे नहीं हटा है और भविष्य में गाजा की प्रशासनिक नियंत्रण व्यवस्था में किसी भी रूप में हमास को शामिल किए जाने के खिलाफ है। युद्ध के बाद इजरायली सेना गाजा से हट जाएगी लेकिन निगरानी जारी रखेगी। इस बीच गाजा में इजरायल के हमले जारी हैं और ताजा हमलों में 100 लोग मारे गए हैं। वहां पर मृतक संख्या बढ़कर 30 हजार के करीब पहुंच गई है। अभी तक के युद्ध में करीब 70 हजार लोग घायल हुए हैं। युद्ध से पूर्व गाजा की आबादी करीब 23 लाख थी। वेस्ट बैंक में इजरायल के ड्रोन हमले में दो फलस्तीनियों के मारे जाने की सूचना है। वेस्ट बैंक में फलस्तीनियों के हाल के हमलों को देखते हुए इजरायल वहां पर यहूदियों के 3,300 परिवारों को बसाएगा। उनके लिए इजरायल की 3,300 नए घर बनाने की योजना है। यह जानकारी इजरायल सरकार के मंत्री बेंजल मोट्रिच ने दी है। विदित हो कि फलस्तीनियों की बहुलता वाले वेस्ट बैंक पर इजरायल ने कब्जा कर रखा है और वहां पर हजारों की संख्या में यहूदी परिवार भी बसा दिए हैं। इन परिवारों को इजरायली सुरक्षा बलों का समर्थन प्राप्त है। इजरायल के इस निर्णय पर अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने असहमित जताई है। उन्होंने कहा, वेस्ट बैंक में नए लोगों को बसाए जाने की योजना से उन्हें निराशा हुई है।

ईरानी सेना ने पाकिस्तान में जैश अल-अदल आतंकवादी समूह के कमांडर को मार गिराया

तेहरान, एजेंसी। ईरान की सेना ने पाकिस्तान में जैश अल-अदल आतंकवादी समूह के वरिष्ठ कमांडर इस्माइल शाहबख्श और उसके कुछ साथियों को मार गिराया। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। यह घटना दोनों देशों द्वारा एक-दूसरे के क्षेत्रों पर हवाई हमले के एक महीने बाद हुई है। एक्स पर एक पोस्ट में, ईरान अंतर्राष्ट्रीय मीडिया ने देश के राज्य मीडिया के हवाले से बताया- सैन्य बलों ने पाकिस्तानी क्षेत्र के अंदर एक सशस्त्र संघर्ष में, जैश अल-अदल आतंकवादी समूह के वरिष्ठ कमांडर इस्माइल शाहबख्श और उसके कुछ साथियों को मार डाला। अल अरबिया न्यूज़ के अनुसार, ईरान द्वारा आतंकवादी संगठन के रूप में घोषित सुन्नी चरमपंथी संगठन जैश अल-अदल मुख्य रूप से सिस्तान-बलूचिस्तान के दक्षिणपूर्वी प्रांत में सक्रिय है। दोनों देशों के बीच बढ़े तनाव के बाद दोनों ने अपने राजदूतों को वापस बुला लिया था। पार ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में शरण मिलती है, जबकि तेहरान का दावा है कि जैश अल-अदल जैसे ईरान विरोधी आतंकवादी समूहों के पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में ठिकाने हैं।

अमेरिका के कैलिफोर्निया में दर्दनाक हादसा, वैन और ट्रक की टक्कर में आठ लोगों की मौत; एक घायल

कैलिफोर्निया , एजेंसी। अमेरिका के मध्य कैलिफोर्निया में एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। यहां एक वैन की ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई है। समाचार एजेंसी एपी के अनुसार, ये हादसा शुक्रवार मध्य कैलिफोर्निया के मदेरा सिटी में हुआ। पुलिस ने बताया कि मध्य कैलिफोर्निया में एक वैन में सवार सात किसान और पिकअप ट्रक के चालक की मौत हो गई। अधिकारी जेवियर रुवलकाबा ने कहा कि ये हादसा सुबह 6:15 बजे मदेरा सिटी के पास हुआ। हादसा इतना दर्दनाक था कि वैन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। रुवलकाबा ने

कहा कि वैन में सवार एक किसान हादसे में घायल हुआ है, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारी के अनुसार, सिर्फ दो लोगों ने ही सीट बेल्ट पहना हुआ था। उन्होंने कहा कि वैन में सवार अगर बाकी लोगों ने सीट बेल्ट पहना होता तो वह लोग बच सकते थे। रुवलकाबा ने कहा कि एक प्रत्यक्षदर्शी ने पुलिस को बताया कि काले रंग का पिकअप ट्रक दो-लेन वाले राजमार्ग पर रैश ड्राइविंग कर रहा था। इसी दौरान ये हादसा हुआ। उन्होंने कहा कि इस बात का पता लगाया जा रहा है कि चालक ने किसी तरह का कोई नशा किया था या नहीं।

ईरान ने रूस को बैलिस्टिक मिसाइलें बेचने के आरोपों को किया खारिज

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने पश्चिमी मीडिया की उन खबरों का खंडन किया है कि उसने यूक्रेन के खिलाफ इस्तेमाल के लिए रूस को बैलिस्टिक मिसाइलें बेची थीं। ईरान के संयुक्त राष्ट्र मिशन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बयान में कहा कि तेहरान पर बैलिस्टिक मिसाइल की बिक्री पर कोई कानूनी प्रतिबंध नहीं है, लेकिन रूस-यूक्रेन संघर्ष के दौरान हथियारों के लेनदेन से बचना उसका नैतिक दायित्व है। बुधवार को सूत्रों के हवाले से एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया कि ईरान ने रूस को बड़ी संख्या में सतह से सतह पर मार करने वाली शक्तिशाली बैलिस्टिक मिसाइलों की आपूर्ति की है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, बाइडेन प्रशासन ने गुरुवार को ईरान को चेतावनी दी कि अगर उसने रूस को बैलिस्टिक मिसाइलें प्रदान की, तो अंतरराष्ट्रीय समुदाय उसके खिलाफ कार्रवाई करेगा। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा प्रवक्ता जॉन किर्बी ने एक वर्चुअल प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि वाशिंगटन ने इस बात की पुष्टि नहीं की है कि ईरान ने रूस को मिसाइलों की आपूर्ति की। उन्होंने कहा, अपनी ओर से हम इस मामले को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में ले जाएंगे। हम ईरान के खिलाफ अतिरिक्त प्रतिबंध लागू करेंगे और हम अपने सहयोगियों और भागीदारों के साथ आगे के विकल्पों पर बात करेंगे।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पताः- 435 ऑर्बिट मॉल विजय नगर, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।